दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 329 | ग्वालियर, शनिवार 09 जनवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

जनता पर हुये अत्याचार का बदला लिया जायेगाः रसाल सिंह

व्यापारी हम शर्मिंदा है तेरा कातिल जिंदाः रोमेश महंत

दबोह(अर्पित गुप्ता)

जनता पर हुए अत्याचार का बदला लिया जायेगा यह बात पूर्व विधायक रसाल सिंह ने दबोह में मनाये जा रहे काला दिवस के दौरान कही।यहा बता दें कि अब से ठीक एक वर्ष पूर्व 5 जनवरी 2020 को कॉग्रेस शासन काल मे अतिक्रमण के नाम पर हरे भरे दबोह को खंडर में तब्दील किया गया था जिसमे अतिक्रमण के नाम पर प्रशासन ने कई पुस्तेनी मकान व दुकानो को बिना कोई पैमाइश किये हुए अनैतिक तरीके से धराशायी कर दिया था।इसी दिन नगर में दो जेसीबी व एक पोकलेन मशीन ने कई परिवारो के आशियाने को नगरीय प्रशासन व राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त कार्यवाही से तहस महस कर दिया था जिसके चलते दबोह नगर खंडर में तब्दील हो गया था।उसी का विरोध प्रदर्शन करते हुए दबोह व्यापारियो के सहयोग से भाजपा पार्टी ने 5 जनवरी 2021 को काला दिवस के रूप मनाया।जिसके चलते भाजपा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक विशाल रैली निकाली गई जो स्थानीय विश्राम गृह से शुरू होकर झंडा चौक पर आकर आम सभा मे परवर्तित हो गई।आमसभा में मुख्यातिथि के रूप में पूर्व विधायक रसाल सिंह मौजूद रहे।भाजपा के पूर्व विधायक रसाल सिंह ने आमसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज से ठीक एक साल पहले कॉग्रेस के शासन काल मे दबोह की भोली भाली जनता के साथ कॉग्रेस सरकार के इशारे पर प्रशासन के द्वारा जो अत्याचार किया था उसका माकूल जबाब दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि इस कृत्य में जो भी अधिकारी कर्मचारी लिप्त थे उन्हें किसी भी कीमत पर बक्शा नही जाएगा दबोह की सारी घटना को लेकर पार्टी नेतृत्व बता कर जिम्मेदारो को उचित दंड दिलवाया जाएगा।इसके क्रम में आम सभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा नेता रोमेश महंत ने व्यापारियों से क्षमा मांगते हुए कहा कि व्यापारी से हम शर्मिंदा है तेरा कातिल जिंदा है उन्होंने सबसे पहले दबोह के सभी व्यापारियो व जनता से क्षमा मांगते हुए कहा कि जिस दिन नगर में आप लोगो पर प्रशासन द्वारा कहर बरपाया जा रहा था उस दिन हम लोग नही आ पाये यह हमारी गलती थी और हम इसके लिए व्यापारियों का रहा पूर्ण सहयोग बन्द रहा पूरा बाजार दबोह व्यापारियों ने अपनी स्वेच्छा से पूरा बाजार बंद कर काले दिवस का पूर्ण रूप से समर्थन किया।जबकि व्यापार मंडल अध्यक्ष द्वारा लगातार बाजार खोलने की बात कर काला दिबस न मनाने की बात कही जा रही थी।परंतु फिर भी दबोह की पीड़ित जनता ने अपने दर्द बयां करते हुए सम्पूर्ण बाजार को बन्द रखा और भाजपा द्वारा मनाये जा रहे काला दिवस का समर्थन किया। अपने आप को दोषी मानते है उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश में लहार की जनता बहुत सहनशीलता रखती है क्योंकि वह लगातार 30 सालो से कॉग्रेस के विधायक के द्वारा किये जा रहे अत्याचारों के सामना कर रही है फिर भी इनती संख्या में कार्यकर्ताओं का शामिल होना यह दर्शता है कि काला दिवस मनाना सिर्फ हमारी ही नही आप सभी की भी मंशा थी उन्होंने कहा कि यह काला दिवस हमने अपना मान या बढ़ाने या कोई चुनाव जीतने के लिए नही किया गया बल्कि यह आपके सम्मान व आपको ऐसे अत्याचारियो से लड़ने की शक्ति को बढ़ाने के लिए मनाया गया है।वहीं इसी क्रम में मौजूद भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक चौधरी ने कहा कि दबोह की जनता परेशान न हो मैं उनके साथ हूँ एक बर्ष पूर्व जो आपके साथ हुआ है वह मै आगे आपके साथ कभी नही होने दूंगा।उन्होंने मंच पर मौजूद मंच पर जिलाध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर व पूर्व विधायक रसाल सिंह से निवेदन करते हुए कहा कि जल्द ही दबोह की जनता के साथ हुए अत्याचार के लिए एक वरिष्ठ नेताओं की टीम गठित की जाए जिसमे पीड़ित लोगो को चिन्हित कर उनकी भरपाई के लिए प्रदेश नेतृत्व से मिला जाए।इसी के साथ रामकुमार महते पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष,हृदेश कुशवाह रेरी,सन्तोष बोहरे पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मिहोना,नन्दराम बघेल पूर्व मण्डल अध्यक्ष लहार, सुरेशचंद्र बुधौलिया, राजेन्द्र गुर्जर, सुरेश कौरव ने भी आम सभा को सम्बोधित किया।आमसभा के अंत में जिलाध्यक्ष समेत भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने तहसीलदार नवीन भारद्वाज को मप्र के मुखिया शिवराज सिंह चौहान व भिण्ड कलेक्टर के नाम 7 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा और जल्द से जल्द जांच कर कार्यवाही करने की बात कही।इस दौरान पर सुरेश बुधौलिया,भगवान नायक,उ माशंकर चौधरी, राजेंद्र सिंह गुर्जर,कल्याण कौरव स्वदेश, घनश्याम दौहरे,अनिरुद्ध मुदगिल, जसवंत दौहरे, महामंत्री रविंद्र चिकवा,लालता कुशवाह, डब्लू कौरव, संजीव यादव, मनोज शास्त्री, परमाल गुर्जर, महामंत्री राव साहब गुर्जर,कप्तान कौरव, संजीव नायक लहार आदि नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंच का संचालन सन्तोष तिवारी के द्वारा किया गया।

आखिर क्यों मनाया गया आज काला दिवस

वाक्या 05 जनवरी 2020 रविवार की सुबह का है जब दबोह की जनता पर प्रशासन ने अपना कहर बरसाया था और बड़ी बड़ी मशीनो के द्वारा पुस्तेनी मकानों,दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया था।इस अतिक्रमण मुहिम में लगभग 250 लोगो के घरों को टारगेट किया गया जिससे नगर मे अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया है इस अतिक्रमण मुहिम को सौंदरीकरण कहा जाये या अधिकारियों की तानाशाही क़्यो कि जिन जगहों पर नगर पालिका,राजस्व विभाग द्वारा जिन मकानों पर 2,3 फुट चिन्हित किये गए थे प्रशाशन की तानाशाही के चलते उनके मकानों,दुकानों को पूरी तरह धवस्त कर दिया गया था लेकिन हर अधिकारी इस अतिक्रमण हटाओ मुहिम की जिम्मेदारी लेने से कतरा रहे थे।यहां बता दें कि अबसे एक वर्ष पूर्व 05 जनवरी 2020 की सुबह 10 बजे से लहार एसडीएम ओमनारायण सिंह,एसडीओपी उपेंद्र दीक्षित अपने-अपने अमले के साथ आये और भिण्ड भांडेर रोड के पास बसे नगरवासियों के दुकानों व मकानों पर प्रशासन का कहर बर्षाना प्रारंभ कर दिया वहीं अपने-अपने मकानों व दुकानों को टूटते देख लोगो की आखों से आंसू व दिलो से बददुआएं निकलने लगी साथ ही जब अधिकारियों से इस योजना के बारे में बातचीत कर कुछ पूछने या जानने की कोशिश की गयी कि यह अतिक्रमण किस आधार पर,कैसे और किस-किस दुकानदार या मकान मालिक का कितना-कितना मकान या दुकान अतिक्रमण में है तो प्रशासनिक अधिकारियों ने सही जानकारी ना देकर अपना पल्ला झाड़ लिया।बड़ा सवाल तो यह है कि यदि नगर में भिण्ड भांडेर रोड पर बने मकानों व दुकानों में अतिक्रमण था तो स्थानीय प्रशासन ने इन्हें सरकारी जमीन पर मकान या दुकान बनाने की अनुमति कैसे व क़्यो दी इतना ही नही नगर के भिण्ड भांडेर रोड पर पूर्व में भी सन 2001 में प्रशासन के द्वारा इन्ही जगहों पर लगभग 10-10 फुट अतिक्रमण हटवाया गया था तो प्रशासन ने नगरीय अतिक्रमण को पहले से ही पूर्ण रूप से क़्यो खत्म नही किया साथ ही यहां बता दें कि अतिक्रमण हटाओ मुहिम के चलते दबोह नगर परिषद ने व्यापारियों को अतिक्रमण सम्बन्धी नोटिस 03 जनवरी 2020 को जारी किये थे परंतु दुकान व मकान मालिकों को यह नोटिस 4 जनवरी 2020 को रात में आठ बजे दिये गये इसके अनुसार जनता को 24 घण्टे का समय दिया गया था परंतु सही मायने में व्यक्ति को सामान हटाने के लिये सिर्फ और सिर्फ रात के अंधेरे के 12 घंटे का ही समय दिया गया है यहाँ बता दे कि शासन के नियमानुसार किसी प्रकार के नोटिस में तीन या सात दिन का समय दिया जाता है लेकिन यहाँ नगर परिषद ने जनता को मात्र 24 घण्टे का समय दिया गया था।

न्यूज ट्रैक

नीतीश ने शराबबंदी पर सख्ती का दिया आदेश, कहा- बड़े धंधेबाजों को पकड़ें, ध्वस्त करें आपूर्ति और वितरण चेन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि विशेष अभियान चलाकर शराब की आपूर्ति और वितरण चेन को ध्वस्त करें। शराब के धंधे में लिप्त बड़े लोगों की गिरफ्तारी करें। असली धंधेबाज को पकड़ने में सख्ती दिखाएं। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मुख्य सचिवालय स्थित कार्यालय कक्ष में मद्य निषेध से संबंधित समीक्षा बैठक की और कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्पाद एवं मद्य निषेध की सेंट्रल कमांड टीम पूरी मुस्तैदी से काम करे। शराब की तस्करी वाले मार्गों को चिह्नित कर उस पर विशेष निगरानी रखें। बॉर्डर एरिया पर भी विशेष नजर रखें। प्रोहिबिशन कॉल सेंटर में आने वाली सूचनाओं के आधार पर तेजी से दोषियों की गिरफ्तारी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी के पूर्व जो शराब के व्यवसाय से जुड़े थे, अब वे किस कार्य में लगे हैं, उन पर विशेष नजर रखें। कहा कि राज्य की अधिकतर जनता शराबबंदी के पक्ष में है। कोरोना काल में भी चिकित्सकों ने शराब न पीने की सलाह दी है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि शराब पीने वालों पर कोरोना वैक्सीन का असर कम हो जाता है। मुख्यमंत्री के समक्ष पुलिस महानिरीक्षक, मद्य निषेध अमृत राज ने मद्य निषेध से संबंधित एक प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में मुख्य सचिव दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव गृह आमिर सुबहानी, डीजीपी एसके सिंघल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव मनीष कुमार वर्मा, अनुपम कुमार, आयुक्त उत्पाद बी कार्तिकेय धनजी, पुलिस महानिरीक्षक, विशेष सचिव गृह विकास वैभव, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह उपस्थित थे।

15 जनवरी को होगी 9वें दौर की बैठक, कृषि मंत्री बोले- किसान वैकल्पिक प्रस्ताव दें तो करेंगे विचार

नई दिल्ली। नए कृषि कानूनों पर कायम गतिरोध के बीच शुक्रवार को हुई केंद्र सरकार और किसान संगठनों के बीच आठवें दौर की वार्ता भी बेनतीजा रही। अब नौवें दौर की बैठक 15 जनवरी को होगी। बैठक के दौरान कृषि मंत्री ने कहा कि अगर किसान संगठन बिल वापसी के अतिरिक्त कोई वैकल्पिक प्रस्ताव देते हैं तो उस पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। बैठक के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि आज किसान यूनियनों के साथ तीनों कृषि कानूनों पर गहन चर्चा हुई, लेकिन फिर भी कोई समाधान नहीं निकल सका। सरकार की तरफ से कहा गया कि कानूनों को वापस लेने के अलावा कोई विकल्प दिया जाए, परंतु कोई विकल्प नहीं मिला। तोमर ने कहा कि सरकार ने बार-बार कहा है कि किसान संगठन अगर कानून वापस लेने के अलावा कोई विकल्प देंगे तो हम बात करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि विरोध कर रहे लोगों का मानना है कि इन कानूनों को वापस लिया जाए, लेकिन देश में बहुत से लोग इन कानूनों के पक्ष में हैं। उम्मीद है अगली बैठक में हमारे पास एक नया प्रस्ताव आएगा और इस मामले का हल खोजा जाएगा। हम इसे जल्द से जल्द हल करने की कोशिश करेंगे। विरोध का समर्थन करने वालों का विचार है कि कानूनों को निरस्त किया जाए और कई अन्य हैं जो कानूनों का समर्थन करते हैं। सरकार उन यूनियनों से लगातार बात कर रही है जो चाहते हैं कि ये कानून निरस्त हों। हम कानूनों का समर्थन करने वालों से भी बात कर रहे हैं। वहीं, सरकार के साथ वार्ता के बाद भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि कानून निरस्त होने से पहले किसान भरोसा नहीं करेंगे। हम फिर से 15 तारीख को आएंगे।

बंगाल में किसानों के घर जाकर एक मुट्ठी चावल मांगेंगे नड्डा

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को एक बार फिर पश्चिम बंगाल जा रहे हैं। इस बार उनकी नजर राज्य के किसानों पर है और बंगाल में धान का कटोरा कहे जाने वाले पूर्वी बर्धवान जिले से वह एक कटोरा चावल मुहिम की शुरुआत करेंगे। इसके तहत पार्टी के नेता और कार्यकर्ता किसानों के घर जाकर एक मुट्ठी चावल के साथ अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए वोट भी मांगेंगे।

एक तरफ सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर केंद्र सरकार के कृषि सुधार कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव पास करने की तैयारी में है तो बीजेपी ममता बनर्जी को किसान विरोधी बताकर लुभाने की कोशिश कर रही है। बीजेपी की ओर से शुक्रवार को एक बयान जारी करके बताया गया कि नड्डा कटवा के जगदानंदपुर गांव में कृषक सुरोक्खा (किसान सुरक्षा) सभा को संबोधित करेंगे। पार्टी ने कहा कि चुनाव से पहले पूरे बंगाल में 40 हजार ऐसी सभाएं की जाएंगी। नड्डा यहां के एक प्रसिद्ध मंदिर में पूजा के बाद घर-घर जाकर चावल एकत्रित करने की मुहिम की भी शुरुआत करेंगे, जिसे एक मुट्ठी चावल संग्रह नाम दिया गया है। नड्डा यहां एक किसान के घर जाकर लंच करेंगे। बीजेपी की ओर से बताया गया, एक मुट्ठी चावल संग्रह पार्टी और इसकी सरकार का किसानों के विकास, प्रगति और समृद्धि के लिए प्रतिबद्धता को साबित करने के लिए है। पश्चिम बंगाल में 2021 विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी राज्य के सभी 73 लाख किसानों के घर पहुंचेगी। टीएमसी ने इस अभियान पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे हास्यास्पद और निरर्थक बताया। टीएमसी के सांसद और पार्टी प्रवक्ता सौगत रॉय ने कहा, यह हास्यास्पद है। ऐसे समय पर जब हजारों किसान दिल्ली के दरवाजे पर केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, कटवा के एक गांव में चावल की प्रतीकात्मक खरीद के लिए जाना व्यर्थ है। बंगाल में खरीद को लेकर कोई समस्या नहीं है। नड्डा को दिल्ली में रहकर किसानों से बात करनी चाहिए, जिनकी समस्या का समाधान अब तक नहीं हुआ है। बीजेपी 2014 के बाद से ही केंद्र सरकार की योजनाओं को पश्चिम बंगाल में लागू नहीं करने को लेकर ममता सरकार को घेरती रही है। किसानों के खातों में हर साल छह हजार रुपए देने वाली केंद्रीय योजना किसान सम्मान निधि को ममता सरकार ने लागू नहीं किया है। इसको बीजेपी जोरशोर से उठाकर ममता बनर्जी को किसान विरोधी बताती है। इसके अलावा आयुष्मान योजना को भी राज्य में हरी झंडी नहीं दी गई है। ममता बनर्जी ने 9 सितंबर को केंद्र सरकार को लेटर लिखकर कहा था कि वह दोनों योजनाओं को राज्य में लागू करने को तैयार हैं यदि केंद्र सरकार पैसा वितरण के लिए राज्य सरकार को देती है। हालांकि, बीजेपी इसके विरोध में है। नड्डा एतिहासिक सर्बमंगला मंदिर में पूजा भी करेंगे और बर्धवान के क्लॉक टावर से कुरजोन गेट तक रोड शो करेंगे।

एयर इंडिया की महिला पायलट रचेंगी इतिहास दुनिया के सबसे लंबे हवाई रूट पर उड़ाएंगी विमान

नई दिल्ली। एयर इंडिया की महिला पायलटों की एक टीम दुनिया के सबसे लंबे हवाई रूट पर विमान उड़ाते हुए नॉर्थ पोल को फतेह करने जा रही हैं। महिला पायलटों की यह टीम सैन फ्रैंसिस्को से बेंगलुरु के बीच 16 हजार किलोमीटर का सफर तय करते हुए 9 जनवरी को यह कारनामा करेंगी। एयर इंडिया के अधिकारियों ने बताया, नॉर्थ पोल से विमान उड़ाना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है और एयरलाइंस कंपनियां इस रूट पर अपने सबसे अच्छे और अनुभवी पायलट्स को भेजती हैं। इस बार एयर इंडिया ने यह जिम्मेदारी एक महिला कैप्टन को दी है जो विमान को पोलर रूट होते हुए सैन फ्रैंसिस्को से बेंगलुरु लाएंगी। एयर इंडिया की कैप्टन जोया अग्रवाल उड़ान की कमान संभालेंगी और उनकी टीम भी 9 जनवरी को इतिहास रचने के लिए बेहद उत्साहित है। कैप्टन योजा अग्रवाल ने कहा, दुनिया में बहुत से लोग जीवनकाल में नॉर्थ पोल या उसका नक्शा भी नहीं देखते हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और हमारे ध्वज वाहक की ओर से मुझ में दिखाए गए विश्वास से मैं खुद को सम्मानित महसूस कर रही हूं। बोइंग 777 के बीच पहली उड़ान को कमांड करने का यह स्वर्णिम अवसर है, जोकि दुनिया का सबसे लंबा रूट है। जोया ने आगे कहा, मुझे अपनी अनुभवी टीम पर गर्व है जिसमें कैप्टन थनमई पपागड़ी, आकांक्षा सोनवणे और शिवानी मन्हास हैं। यह पहली बार है जब केवल महिला पायलटों की टीम नॉर्थ पोल के ऊपर से उड़ान भरेगी और इतिहास रचेगी। एक प्रफेशनल पायलट के लिए यह सपना सच होने जैसा है। विमानन विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तरी ध्रुव पर उड़ान भरना अत्यंत तकनीकी है और इसके लिए कौशल और अनुभव की आवश्यकता होती है। कैप्टन जोया ने कहा, वास्तव में यह महसूस करने का रोमांच कि आप उत्तरी ध्रुव से गुजर रहे हैं, जहां कंपास 180 डिग्री तक फ़्लिप करेग ... कुछ ऐसा जो वास्तव में आकर्षक है।

समलैंगिक विवाह मामले में केंद्र और दिल्ली सरकार को हाईकोर्ट की फटकार

जवाब दाखिल करने के लिए आखिरी मौका दिया

नई दिल्ली। हिंदू विवाह कानून और विशेष विवाह कानून के तहत समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग पर जवाब दाखिल नहीं किए जाने को लेकर उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र और दिल्ली सरकार को आड़े हाथों लिया। अदालत ने दोनों सरकारों को जवाब दाखिल करने के लिए आखिरी मौका दिया। दोनों सरकारों को तीन हफ्ते में हलफनामा दायर कर जवाब देना होगा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने की मांग वाली अलग-अलग याचिकाओं पर विचार करते हुए 19 नवंबर 2020 को केंद्र और दिल्ली सरकार से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था। जस्टिस राजीव सहाय एंडलॉ और संजीव नरूला की पीठ ने आशा मेनन की पीठ ने दोनों सरकार से कहा कि हम आपको जवाब देने के लिए आखिरी मौका दे रहे हैं। पीठ ने केंद्र व दिल्ली सरकार को तीन सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल कर जवाब देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 फरवरी की तारीख मुकर्रर की गई है। इससे पहले, केंद्र सरकार के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए वक्त देने की मांग की।

पाकिस्तान में मुंबई हमले के

मास्टरमाइंड जकी-उर-रहमान लखवी को 5 साल की सजा

> मुंबई हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर जकी-उर-रहमान लखवी को पाकिस्तान की एक अदालत द्वारा अलग-अलग तीन मामलों में कुल 15 साल की सजा मिलने को विदेश मंत्रालय ने हास्यास्पद बताया और कहा कि इसके जरिए वह सिर्फ वैश्विक संस्थाओं को आतंकवाद के खिलाफ अपनी गंभीरता दिखाने की कोशिश करता है।

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता में कहा, लखवी की गिरफ्तारी की टाइमिंग इस ओर इशारा करती है कि पाकिस्तान फरवरी में एशिया प्रशांत संयुक्त समुह (एपीजेजी) और फाइनेंसियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की होने वाली बैठक से ठीक पहले उनके सामने अपनी छवि को साफ करने की कोशिश कर रहा है। यह पाकिस्तान के रूटीन में शामिल है कि इस तरह की अहम बैठक से पहले वह दिखावटी कार्रवाई करे।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकी लखवी (61) को पंजाब प्रांत के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने शनिवार को गिरफ्तार किया था। मुंबई हमला मामले में 2015 से वह जमानत पर था। सुनवाई के बाद अदालत के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, लाहौर की आतंक रोधी अदालत (एटीसी) ने सीटीडी द्वारा दर्ज आतंकवाद के वित्तपोषण के मामले में लखवी को आतंक रोधी कानून 1997 की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराते हुए 15 साल जेल की सजा सुनाई।÷ न्यायाधीश एजाज अहमद बतर ने लखवी को तीन अपराधों के लिए कुल 15 साल सश्रम कारावास और तीन लाख पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया। जुर्माना नहीं चुकाने पर उसे प्रत्येक अपराध के लिए छह-छह महीने की और सजा काटनी होगी। सजा काटने के लिए उसे जेल भेज दिया गया है। तीनों अपराधों में लखवी को मिली पांच-पांच साल की सजा साथ ही चलेगी। इसका मतलब यह है कि उसे पांच साल ही सलाखों के पीछे रहना होगा। लश्कर-ए-तैयबा कमांडर पर डिस्पेंसरी के नाम पर आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए रकम जुटाने का आरोप लगा था। सीटीडी ने कहा, लखवी तथा अन्य आरोपियों ने अपनी डिस्पेंसरी से धन जुटाया और उसका इस्तेमाल आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया। उसने निजी खर्च के लिए भी इस रकम का इस्तेमाल किया।÷ लखवी को शुक्रवार को लाहौर एटीसी के सामने पेश किया गया और उसी दिन उसे आतंकवाद के वित्तपोषण मामले में दोषी ठहराया गया। कुछ समय पहले उसके खिलाफ यह मामला दर्ज हुआ था। अदालत को बताया कि पंजाब के ओकरा जिले में रेनाल खुर्द का निवासी लखवी इस मामले में गिरफ्तारी के पहले इस्लामाबाद में रह रहा था।

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है
सम्पर्क करें
जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश
फोन: 0751-4901403
मो. 7879637585, 8770253710
Website-www.pushpanjalitoday.com
Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर....

किसान उत्पादक के साथ कारोबारी भी बनें, सरकार हर संभव मदद करेगी - श्री भारत सिंह कुशवाह

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह द्वारा उटीला में लगभग 254 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन, उटीला के घर-घर में नल से पहुँचेगा पानी

ग्वालियर। किसान फसल उत्पादक के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण से जुड़कर उपज के कारोबारी भी बनें। खाद्य प्रसंस्करण कारोबार से जुड़ने के लिये प्रदेश सरकार किसानों को आर्थिक मदद के साथ-साथ तकनीकी कौशल भी मुहैया करायेगी। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने उटीला में आयोजित हुए जन समस्या निवारण शिविर सह लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में मौजूद किसानों से कही। श्री कुशवाह ने कहा कि उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण से जुड़कर परिवार के मुखिया ही नहीं सभी सदस्य आत्मनिर्भर बन सकते हैं। श्री कुशवाह ने इस अवसर पर लगभग 2 करोड़ 54 लाख रूपए लागत के 17 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। जिसमें लगभग 192 लाख रूपए लागत से मूर्तरूप लेने जा रही नल-जल योजना शामिल है। इस योजना से उटीलावासियों को घर-घर नल से पानी उपलब्ध होगा। जिन कार्यों का भूमिपूजन किया गया, उनमें नल-जल योजना सहित 10 सीसी रोड़, एक सामुदायिक भवन, तीन मोहल्लों में चौपाल निर्माण तथा अस्पताल व थाना परिसर की बाउण्ड्रीवॉल शामिल है। इस अवसर पर उन्होंने लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। शुक्रवार को उटीला के हाट बाजार परिसर में आयोजित हुए कार्यक्रम में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि पारंपरिक खेती पर निर्भर रहकर किसान अपनी आय दोगुनी नहीं कर सकते हैं। इसके लिये उन्हें उद्यानिकी फसलें अपनानी होंगीं। साथ ही अपनी उपज के अधिक दाम प्राप्त करने के लिये खाद्य प्रसंस्करण व्यवसाय से भी जुड़ना होगा। उन्होंने कहा सरकार ने उद्यानिकी को बढ़ावा देने के लिये रोड़मैप तैयार कर लिया है। किसान इसका लाभ लेने के लिये आगे आएँ। सरकार द्वारा उद्यानिकी फसल और छोटे-बड़े कोल्ड स्टोर निर्माण के लिये 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने इस अवसर पर जानकारी दी कि तानसेन की जन्मस्थली बेहट, भदावना, काशीबाबा देव स्थल, देवगढ़ किला एवं जागेश्वर मंदिर को जोड़ते हुए एक टूरिस्ट सर्किट की कार्ययोजना बनाई गई है। इस टूरिस्ट सर्किल को दतिया जिले में स्थित प्रसिद्ध रतनगढ़ माता मंदिर, पीताम्बरा माई एवं ओरछा टूरिस्ट सर्किट से जोड़ा जायेगा।कार्यक्रम में बेहट ग्राम पंचायत के सरपंच श्री सुधाकर पाठक तथा सर्वश्री केशव सिंह गुर्जर, प्रेम सिंह राजपूत, जगदीश सेंथिया व दीवान सिंह गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी श्री विनोद भार्गव, जनपद पंचायत के सीईओ श्री राजीव मिश्रा, तहसीलदार श्री कुलदीप दुबे सहित विभिन्न विभागों के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

उद्यानिकी के मॉडल के रूप में विकसित होगा मुरार विकासखण्ड- उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने इस अवसर पर जानकारी दी कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के 20 विकासखण्डों को उद्यानिकी फसलों के लिये मॉडल के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें मुरार विकासखण्ड भी शामिल है।

समस्याओं के निराकरण में ढ़िलाई हुई तो संबंधित अधिकारी जवाबदेह होंगे- उटीला में आयोजित हुए जन समस्या निवारण शिविर में जन सामान्य की ओर से कुल 60 आवेदन प्राप्त हुए। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने विभागीय अधिकारियों को एक हफ्ते के भीतर इन समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा समस्याओं के निराकरण की सूचना संबंधित आवेदक को भी दी जाए। उन्होंने कहा एक हफ्ते बाद वे स्वयं इन आवेदनों के निराकरण की समीक्षा करेंगे। श्री कुशवाह ने अधिकारियों को आगाह करते हुए कहा कि जो अधिकारी आवेदनों के निराकरण में ढ़िलाई बरतेंगे उन्हें जवाबदेह मानकर कार्रवाई की जायेगी।

बाल देख-रेख संस्थानों के 18 वर्ष के ऊपर के बच्चों कोआत्मनिर्भर बनाने लॉन्च पैड स्कीम शुरू

ग्वालियर। बाल देख-रेख संस्थाओं में रहकर 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विशेष नवाचार किया गया है। विभाग की समेकित बाल संरक्षण योजना के तहत इस नवाचार के रूप में लॉन्च पैड स्कीम शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना के माध्यम से बच्चों को एक ऐसा प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जायेगा, जिससे संस्थागत जीवन से बाहर आने के बाद उनका शिक्षण व प्रशिक्षण जारी रहे। साथ ही वे स्वरोजगार भी प्राप्त कर सकें। लॉन्च पैड स्कीम में प्रदेश के 52 जिलों को 5 क्लस्टर में बाँटा गया है। यह प्लेटफार्म ग्वालियर सहित संभागीय मुख्यालय इंदौर, सागर, जबलपुर तथा भोपाल में प्रारंभ किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश शासन के इस नवाचार को भारत सरकार की स्वीकृति प्राप्त हो गई है और इसका क्रियान्वयन चालू वित्तिय वर्ष में किया जायेगा। इस स्कीम के अंतर्गत बाल गृहों के 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके 6 से 8 युवाओं के समूह को कॉफी शॉप, स्टेशनरी, फोटोकॉपी, कम्प्यूटर टाइपिंग, डी.टी.पी. कार्य, नोटरी आदि कार्य के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर अथवा अन्य सार्वजनिक स्थल पर खोलने के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्थान उपलब्ध कराया जायेगा। महिला-बाल विकास विभाग द्वारा प्रत्येक लॉन्च पैड की स्थापना के लिए 6 लाख रूपये की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। यह लॉन्च पैड अशासकीय संस्था के माध्यम से संचालित होंगे और संस्था द्वारा पैड संचालन का विस्तृत प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायेगा।

हितग्राहियों से 6 जनवरी को मुख्यमंत्री करेंगे सीधा संवाद

बाल भवन में आयोजित होगा कार्यक्रम

ग्वालियर। पीएम स्व-निधि योजना में प्रदेश के दो लाख से अधिक हितग्राहियों को ऋण वितरण होने पर लाभान्वितों से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 6 जनवरी को संवाद करेंगे। प्रदेश भर के हितग्राहियों से मुख्यमंत्री इंदौर में आयोजित मुख्य समारोह से अपरान्ह 3 बजे से 4 बजे तक चर्चा करेंगे। ग्वालियर नगर निगम द्वारा 6 जनवरी को बाल भवन में कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिसमें पीएम स्व-निधि योजना के तहत शहरी पथ विक्रेताओं की उपस्थिति में कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में मंत्रीगण, सांसद एवं विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जायेगा। बाल भवन ग्वालियर में कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से आयोजित होगा। जिसमें कार्यक्रम के अतिथिगणों के उदबोधन के पश्चात हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जायेगा। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का हितग्राहियों से सीधा संवाद होगा। नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन ने बताया कि इस आयोजन में नगरीय निकायों के अधिकारी, शासकीय संगठनों के प्रतिनिधि, बैंकर्स एवं पथ विक्रेताओं को आमंत्रित किया जायेगा। कार्यक्रम में कोविड-19 के दृष्टिगत सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जायेगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एलईडी स्क्रीन पर भी किया जायेगा।

दिल्ली के किसान आंदोलन में

जान गवाने वाले किसानों को मिले शहीदों का दर्जाः देशलेहरा

विधायक के बंगले बंगले पर दिल्ली में जान दे चुके किसानों को लेकर हुई श्रद्धांजलि सभा, 12 जनवरी को किसान ट्रैक्टर रैली तथा दिल्ली आंदोलन में भाग लेने के जाएंगे कई किसान नेता

गोहद। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजकुमार देशलहरा के नेतृत्व में गोहद विधायक मेवाराम जाटव के बंगले पर किसानों की सहादत मे शामिल हुए सरदार शन्तोख सिंह पटेल ग्राम हरगोविंद पुरा ने भावुक होकर ऐलान कर दिया कि किसानों की लड़ाई में जो किसान दिल्ली बार्डर पर जाना चाहे उनका पूरा खर्चा हम देंगे ओर कहा कि हम 55 वर्ष में पहिली बार किसी विधायक के बंगले पर आया हूं यह बड़े दुःख की बात है। किसानों की सहादत को भूला नहीं जा सकता है। उसके बाद विधायक मेवाराम जाटव जी ने अपने उद्बोदन में कहा कि किसानों की लड़ाई में शाथ है ओर रहेंगे, रामनारायण हिंडोलिया जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि हम लोग सब मिलकर दिल्ली बोडर पर चलेंगे एक दिन निश्चय करे डा0 राज कुमार देशलहरा ने कहा कि जिन किसानों की मृत्य हुई है। उन लोगों को शहीद का दर्जा दिया। किसानों के परिवार को सहायता दी जाय एवं उनके परिवार

को पेंशन दी जाय विधायक मेवाराम जाटव ने कहा कि किसानों का एक बड़ा आन्दोलन होने जा रहा है। इसकी सभी लोग तैयारी करे जो दिनांक 12 जनवरी को गोहद में होगा जिसकी जुम्बेदारी किसान नेताओं को सोपी गई है। गोहद के विकास के लिए जनता के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी। विधायक मेवाराम जाटव, जिला पंचायत अध्यक्ष रामनारायण हिन्डोलिया, किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आशीष गुर्जर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय उर्फ टोनी मुदगल, केदार कौशल, जावेद पठान, मुखिया जी, अजय मिश्रा, साबू ख़ान, मलकीतसिंह बराड़, सरदार रबिन्द्र सिंह, राधाकृष्ण दीक्षित, रागिनी चौहान गायत्रीदेवी आदि ने मिलकर लीडर दिल्ली बॉर्डर पर शहीद हुए किसानों के सम्मान में दो मिनट मोन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

भाकियू (भानु) एवं गौ रक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने किया पठगुंवा का दौरा

मऊरानीपुर (झाँसी) भारतीय किसान यूनियन (भानु) एवं गौ रक्षा प्रकोष्ठ (राष्ट्रीय) के पदाधिकारियों ने ग्राम पठगुंवा, मऊरानीपुर का दौरा किया। जहाँ पर ग्रामवासियों की चार सूत्रीय माँगें सामने आयी। जिसके चलते एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, जिलाधिकारी झाँसी को ज्ञापन भेजा गया। जिसमें 1. ग्राम पठगुंवा जो कि मऊरानीपुर से सुखनई नदी के उस पार तट पर बसा हुआ है। जहाँ पर 20 वर्षो से सुखनई नदी पर एक रिपटा बना हुआ है। जिससे ग्रामवासियों का आवागमन रहता है। पिछले तीन वर्ष से बरसात के मौसम में नदी में बाढ आने से रिपटा क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पडता है। जिसमें बरसात में मौसम में बच्चे स्कूल नही जा पाते, प्रसूता महिलायें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नही पहुँच पाती। कई बार जाँच बच्चा दम तोड देते है। पिछले वर्ष एक व्यक्ति की पानी में गिरने से मौत हो गयी थी। दो दिन तक प्रशासन द्वारा शव की तलाश करने पर मिला पूरा गाँव बेहाल रहा। 2. ग्राम पठगुँवा में गौशाला बनी हुयी है। उसमें काफी कमियाँ पायी गयी गोवंश के लिये भूसा दाना का उचित व्यवस्था नही है। गोवंशों की स्थिति अत्यधिक दयनीय है। 3. ग्राम की बिजली की व्यवस्था बहुत ही दयनीय है। 24 घण्टे में कभी कभार लाईट आती है। एवं 4 से 5 घण्टे से ज्यादा बिजली का संचालन नही रहता है । जिससे किसानों की

फसल की सिंचाई समय से नही हो पा रही है। फसल सूख रही है। बिजली कम से कम 20 धण्टे किसानो के हित में दी जाये। 4. ग्राम में कई वृद्धा , विधवा, गरीब, सरकारी आवास, शौचालय के पात्र है। लेकिन अभी तक विधवा एवं वृद्धा पेंशन नही मिल रही है। गरीब व्यक्तियों के राशन कार्ड नही बने है। सरकारी आवास से कई पात्र वंचित है। एवं शौचालय का निर्माण कई जगहों मे नही है। कुछ किसानों के खेतों में किसान सम्मान निधि का पैसा नही आ रहा है। जल्दी से जल्दी उपरोक्त समस्याओं का निदान किया जाये। नही तो हमारा संगठन किसानों एवं मजदूरों के साथ धरना प्रदर्शन करने के लिये मजबूर होगा। जिसकी जिम्मेदार शासन और प्रशासन की होगी। इस मौके पर बिहारी सिंह तोमर,सुमित राघवंश, मानवेन्द्र सिंह भदौरिया, बलवन्त सिह तोमर, अभिषेक परिहार, नरेन्द्र सिंह, रविकान्त तिवारी, नन्दराम खंगार, हरिओम ओझा, अंकित चतुर्वेदी, पवन प्रताप सिंह, किशन लाल, गजेन्द्र सिंह आदि लोगों के ज्ञापन में हस्ताक्षर थे।

2.शोकसभा

मऊरानीपुर (झाँसी) भारतीय जनता पार्टी की एक शोकसभा निर्वतमान नगर अध्यक्ष , सदस्य जिला कार्यकारिणी नरेन्द्र दमेले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। जिसमें पं. विश्वनाथ शर्मा हिन्दू धमार्थ न्यास झाँसी के मानद प्रशासक एवं बुन्देलखण्ड एकीकरण समिति के मार्गदर्शक पं. रमेश बिरथरे जी के आकस्मिक निधन हो जाने पर गहरा शोक व्यक्त किया गया । साथ ही दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान की गयी। इस मौके पर कन्हैया लाल मोदी, प्रागीलाल अहिरवार, रामकिशोर साहू, कृष्ण कुमार पुरवार, मिथलेश सिंह सेंगर, रामस्वरुप मिश्रा, राघवेन्द्र शर्मा, महेन्द्र पाठक, वीरेन्द्र अग्रवाल, रामलखन दुबे, नरेश बिरथरे, अखिलेश सेठ, सुरेश चन्द्र मिश्रा, अशोक सिंह परिहार, उदय सिंह सोलंकी, जयशंकर देवलिया, आशुतोष सूरोठिया, अनुज नायक, हरिमोहन दुबे पार्षद, जयंत सिंह बुन्देला, राकेश सेठिया, राजेन्द्र राहुल, अशोक वर्मा, ओमप्रकाश पोतदार, राजेश बिलाटिया पार्षद, मनीष खेवरिया, रानू तिवारी, कपिल कुशवाहा, रोहित सोनी, चिन्तामन श्रीवास पार्षाद, कन्हैया लाल भास्कर, दीनदयाल साहू, हरिओम यादव, रविकान्त आर्य, शिवम् पाण्डेय, धीरेन्द्र झा, जितेन्द्र श्रीवास, दौलत कुशवाहा, प्रताप नापित, फूल सिंह रैकवार आदि लोग उपस्थित रहे।

मंत्री गजेंद्र तोमर का दतिया जाते वक्त मेहगांव के कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मेहगांव।

विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री गजेंद्र तोमर का हुआ जोरदार स्वागत मेहगांव अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री गजेंद्र तोमर का दतिया जाते वक्त मेहगांव के कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया और बधाई दी अभी हाल ही मैं नागपुर मैं संपन्न हुई 66 वे राष्ट्रीय अधिवेशन उन्हें राष्ट्रीय मंत्री की जिम्मेदारी मिली तोमर मूलतः सिंहपुरा पोरसा जिला मुरैना के निवासी हैं आज उनका ग्रह गांव आगमन हुआ इसी दौरान उनकी मनोनीत पर जोरदार स्वागत किया गया इस दौरान विभाग संयोजक अश्वनी त्यागी प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सचिन भदोरिया संतोष गुर्जर अनूप गॉड राघवेंद्र नरवरिया रामू गुर्जर मनोज कुमार कुशवाह सौरभ गॉड भरत पाठक प्रशांत शर्मा शिवा भदोरिया विकास चौहान अभिषेक दंडोतिया सीटू गुर्जर प्रभात राजपूत मोहित राजपूत आदि लोग उपस्थित रहे बृजपाल सिंह।

जिला पंचायत प्रशासकीय समिति की बैठक आज

ग्वालियर। जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की बैठक 05 जनवरी को बुलाई गई है। इस दिन यह बैठक दोपहर 2 बजे प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा भुजवल सिंह यादव की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभागार में होगी। बैठक में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बिजली, स्वास्थ्य, नाप-तौल व खनिज विभागों की समीक्षा होगी।

कोरोना वैक्सीन का ड्राई रन जेएएच कैंपस के टीबी अस्पताल में हुआ

ग्वालियर। कोविड-19 की वैक्सीन लगाने की ड्राई रन आज ग्वालियर जिले में की गई। तीन स्वास्थ्य संस्थाओं में ड्राई रन प्रातः 9 से 11 बजे तक हुई। इनमें जयारोग्य चिकित्सालय के टीबी अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भितरवार तथा रतन ज्योति नेत्रालय शामिल है। संभागीय आयुक्त आशीष सक्सेना ने टीबी अस्पताल पहुँचकर ड्राई रन का अवलोकन किया और व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। जयारोग्य चिकित्सालय समूह में आयोजित ड्राई रन में डीन मेडीकल कॉलेज डॉ. एस एन अयंगर, अधीक्षक जयारोग्य चिकित्सालय श्री आर एस धाकड़, सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा सहित चिकित्सक और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। ड्राई रन के दौरान बताया गया कि सर्वप्रथम स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को कोरोना वैक्सीन लगाई जाना है।

संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने किया अवलोकन, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

ग्वालियर जिले में प्रथम चरण में 6 हजार 849 शासकीय तथा 4 हजार 966 प्राइवेट कुल 11 हजार 815 स्वास्थ्य से जुड़े कर्मचारियों को वैक्सीन लगाई जायेगी। इसके लिये एक हजार 339 शासकीय तथा 1402 प्राइवेट कुल 2 हजार 41 कर्मचारियों को वैक्सीन लगाने के कार्य हेतु तैनात किया जायेगा। वैक्सीन लगाने वाले सभी कर्मियों को विधिवत प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने वैक्सीन की ड्राई रन में अपनाई जाने वाली पूरी प्रक्रिया को समझा। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार ही कोविड की वैक्सीन लगाने का कार्य किया जाए। इसके लिये सम्पूर्ण अमले को अच्छे से प्रशिक्षित भी किया जाए। प्रथम चरण में जिन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को वैक्सीन लगाई जाना है उनका चिन्हांकन भी किया जाए। ड्राई रन के दौरान प्रक्रिया में बताया गया कि सर्वप्रथम वैक्सीन लगाने वाले व्यक्ति को प्रवेश स्थल पर ही सेनेटाइजर उपलब्ध कराया जायेगा। उसके पश्चात उसकी आईडी को ऑनलाइन चैक कर वैक्सीन लगाने की प्रक्रिया की जायेगी।

VISION 2030
ग्वालियर शहर में पहली बार हर सेवा और वस्तु बहुत ही सस्ती
जियो रीचार्ज एक माह 199 वाला केवल 180 में।
आइडिया और एयरटेल का रीचार्ज केवल 225/- में 249 वाला।
किराना का सामान सबसे सस्ता।
HOME TUITION का डेमो फ्री वो भी 15 दिन।
केक केवल 180/- में फ्री HOME DELIVERY के साथ।
टिफिन सेंटर खाना बिल्कुल घर जैसा।
ऐसे ही 5 लाख प्रोडक्ट्स और 50 से ज्यादा सेवाएँ बस एक कॉल या वॉट्सएप्प, हर सेवा आपके पास।
Only WHATSAPP 9425823988
call-9691937250/- 9516003221

सम्पादकीय

एक और मास्क

यह एक साबित तथ्य है कि हम इंसान जलवायु परिवर्तन के लिए मूल रूप से जिम्मेदार हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन में मवेशियों का भी योगदान कोई कम नहीं है। मवेशियों में भी गायों का प्रदूषण में सबसे ज्यादा योगदान है। ये मवेशी मीथेन गैस का उत्सर्जन करते हैं। मीथेन वायुमंडल के लिए कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 84 गुना अधिक जहरीली गैस है। ग्रीनहाउस गैसों में मीथेन का बहुत योगदान है। मीथेन के जरिए भी उतना ही प्रदूषण होता है, जितना कि जीवाश्म ईंधन के जरिए। यह बहुत अच्छी खबर है कि ब्रिटेन की एक स्टार्ट-अप कंपनी ने विशेष मास्क का निर्माण किया है। इस मास्क को गाय के मुंह या नथुनों पर आसानी से लगाया जा सकता है। जब गाय मीथेन उत्सर्जित करेगी, तो यह मास्क उसे कार्बन डाइऑक्साइड और एच2ओ यानी पानी में बदल देगा। यह मास्क पशुओं को आसानी से पहनाया जा सकता है और उन्हें किसी तरह की तकलीफ होने की आशंका नहीं है। ब्रिटेन में मिली यह सफलता बहुत उम्मीद जगाती है। जेल्प (जीरो एमिशन पशुधन प्रोजेक्ट) नाम के स्टार्ट-अप का कहना है कि मवेशियों में 60 प्रतिशत तक मीथेन उत्सर्जन कम करने में मास्क सक्षम है। मास्क को और विकसित व प्रचारित करने की प्रक्रिया भी चल रही है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि कृषि या पशुपालन क्षेत्र में मीथेन गैस उत्सर्जन शुरू से ही चिंता का विषय बना हुआ है और इस मोर्चे पर लंबे समय से काम चल रहा है। पहले एक ऐसे खाद्य पदार्थ का निर्माण किया गया था, जिससे पशुओं से होने वाले मीथेन उत्सर्जन को कम किया जा सकता है, लेकिन इस खाद्य या दवा की एक खामी भी है, इससे किसी पशु की मौत भी हो सकती है। जाहिर है, पशुओं को भोजन में मिलाकर देने वाली खुराक को सफलता नहीं मिली। अब मास्क के आविष्कार से आशा जगी है। यह मास्क पशुओं की पाचन या श्वसन क्रिया के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ नहीं करेगा। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, पशुधन उद्योग 7.1 गीगाटन ग्रीनहाउस गैसों या वैश्विक स्तर पर 14.5 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। अकेले मवेशी उद्योग हर साल 5.24 गीगाटन गैस उत्सर्जन में योगदान देता है। पशुपालन के क्षेत्र में विशेष रूप से गायों से होने वाले मीथेन उत्सर्जन को रोकना ज्यादा जरूरी है। गायों की तुलना में भैंसें बहुत कम मीथेन उत्सर्जन करती हैं। वैसे बनाए गए मास्क से केवल मीथेन उत्सर्जन रोकने का काम ही नहीं, बल्कि दूसरे काम भी लिए जा सकते हैं। मास्क में जीपीएस सिस्टम लगाया गया है और गाय की तमाम गतिविधियों को इसके जरिए रिकॉर्ड किया जा सकता है। यह पशुपालन उद्योग में बहुपयोगी उपकरण होगा। बेशक, अब कंपनियों को कोशिश यह करनी चाहिए कि दुनिया भर के गोपालकों तक इस मास्क को सस्ते में पहुंचाया जाए। इंसानों के लिए यह संभव है कि हम ऐसे उत्पाद बनाएं, जिससे पशुओं द्वारा होने वाले उत्सर्जन को रोका जा सके। पर ऐसे उत्पाद बनाते हुए पशुओं के अधिकारों को भी सुनिश्चित करना होगा। पशुपालन उद्योग में नए-नए यंत्र आ रहे हैं, पर पशुओं के प्रति बुरा बर्ताव भी बढ़ रहा है। उन्हें मास्क पहनाने में सबका हित है, लेकिन इतने भर से जलवायु परिवर्तन या ग्लोबल वार्मिंग के प्रति हमारी जिम्मेदारी कतई कम नहीं हो जाएगी।

अब क्रांति नहीं, विकास चाहिए

जैसे पर्वतीय घाटियों से निकलने वाली कोई उछलती-कूदती वेगवती नदी मैदान में पहुंचकर अचानक ही शांत होने लग जाए। 21वें साल को उम्र का वह पड़ाव माना जाता है, जब बचपन और जवानी का शुरुआती अल्हड़पन पीछे छूट जाता है और परिपक्वता का दौर शुरू होता है। इस सदी के 21वें साल से भी क्या बस इतनी उम्मीद बांधनी होगी? वैसे, इस समय हम 21वीं सदी में भी हैं। अगर पिछली सारी सदियों से तुलना करें, तो कम से कम अपने शुरुआती दो दशकों में तो यह सदी नीरसता में लिपटी परिपक्वता से बार-बार मुलाकात कराती रही है। पिछली सदी का पूरा पूर्वार्द्ध बदलाव की कसमें खाने और क्रांतियों के लिए अधीर दिखाई देता है। लेकिन 21वीं सदी के आते-आते वे सारे उबाल ठंडे पड़ चुके हैं और अब क्रांति नहीं, विकास की बात होती है। बदलाव के हरावल दस्तों को संगठित करने पर नहीं, बल्कि संसाधनों को जुटाने पर जोर दिया जाता है। एक तरह से यह ठंडे पड़ चुके जोश की सदी का 21वां साल भी है। इस सदी के 21वें साल की तुलना अगर हम पिछली सदी के 21वें साल से करें, तो एक समानता साफ तौर पर दिखाई देती है। दोनों की शुरुआत महामारी के भयानक सदमे के बीच हुई। हालांकि, स्पैनिश फ्लू की शुरुआत 1918 में हुई थी, लेकिन उसका ज्यादा प्रकोप 1919 और 1920 में रहा, और उसका अंतिम सिरा 1921 तक गया। वैसे ही, जैसे कोविड-19 दरअसल 2019 में शुरू हुआ, लेकिन उसके प्रकोप का वर्ष 2020 को ही माना जाएगा। दोनों सदी का एक अंतर हम इन दो महामारियों से भी समझ सकते हैं। स्पैनिश फ्लू निश्चित तौर पर ज्यादा भयावह महामारी थी। उसने कहीं ज्यादा लोगों की जान ली। और सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह था कि जहां कोरोना वायरस संक्रमण ने सबसे ज्यादा संख्या में बुजुर्गों को अपना निशाना बनाया, तो वहीं स्पैनिश फ्लू का ज्यादातर शिकार नौजवान थे। एक अंतर ज्ञान और विज्ञान का भी है। स्पैनिश फ्लू जब फैला, तब वायरस शब्द का इस्तेमाल भले ही होने लगा था, लेकिन वायरस क्या होता है, यह जानकारी नहीं थी। वायरस के बारे में जानकारी तो एक दशक के बाद मिल पाई, जब इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप बना और पहली बार उसे देखा जा सका। जबकि इस बार महामारी फैलने के कुछ ही सप्ताह बाद कोरोना वायरस की पूरी जिनोम कुंडली दुनिया भर के वैज्ञानिकों के पास थी और चंद महीनों के बाद अब हमारे पास एक दर्जन से ज्यादा तरह की वैक्सीन भी लगभग तैयार हैं। पिछली सदी के 21वें साल की तारीखों और घटनाओं को अगर गौर से देखें, तो वह एक तरह से महामारी के दुखों को भुलाने का साल था। यह वह साल था, जब पूरी दुनिया ने सारे गम भुलाकर फिर से बदलाव की अपनी प्रतिबद्धता की ओर लौटना शुरू कर दिया था। वे सारे संकल्प लौट आए, महामारी का तूफान भी जिनका बाल-बांका नहीं कर सका था। भारत के संदर्भ में देखें, तो 1921 ही वह साल था, जब देश में चल रहे स्वतंत्रता आंदोलन ने तिरंगे झंडे को अपनाया और उसे गुलामी से मुक्ति की चाह का परचम बना दिया। खादी अपनाने का आंदोलन भी इसी साल शुरू हुआ था। बदलाव की इतनी ही तेज चाह इसी साल पूरी दुनिया में लौटी थी। इसी साल चीन में कम्युनिस्ट पार्टी बनी और अफीमचियों का देश कहलाने वाले इस मुल्क ने इस छवि से मुक्ति की राह पकड़नी शुरू कर दी। एशिया के तकरीबन सभी देशों में साम्यवादी और समाजवादी पार्टियों की स्थापना इसी के बाद शुरू हुई। नया हासिल करने की कोशिश में 1921 के पुराने गम न सिर्फ भुलाए गए, बल्कि उसका रिकॉर्ड रखने की भी जरूरत नहीं समझी गई। दो साल पहले स्पैनिश फ्लू की एक सदी पूरी होने पर जब कुछ इतिहासकारों ने दस्तावेज खंगालने शुरू किए, तो पता चला कि उस महामारी की बहुत सी बातें कहीं दर्ज ही नहीं हैं। यहां तक कि भारत समेत बहुत सारे देशों में ऐसे प्रामाणिक आंकड़े भी उपलब्ध नहीं हैं कि महामारी ने कितने लोगों को संक्रमित किया, कितने बच पाए और कितनों को नहीं बचाया जा सका? एक कारण यह भी है कि दुनिया पहले विश्व युद्ध से बस निकली ही थी और ज्यादातर देशों की दिलचस्पी आंकड़ों को जमा करने से ज्यादा उन्हें छिपाने में थी। खासकर वे आंकड़े, जो उस समय की विश्व शक्तियों के उपनिवेशों के थे। यानी 1921 में बीते समय की बुरी यादों को सिर्फ भुलाया नहीं गया, बल्कि दफ्न भी कर दिया गया। इस मामले में 2021 एक अलग तरह का वर्ष होगा। इस समय हमारे पास महामारी के ढेर सारे आंकड़े हैं। कंप्यूटर की भाषा में बात करें, तो अभी तक कई टेराबाइट आंकड़े जमा हो चुके हैं और हर रोज जमा हो रहे हैं। इसके अलावा, हम जितनी भी तरह की मानव त्रासदियों से इस दौर में गुजरे हैं, उनमें से ज्यादातर लेखों, रिपोर्टों और कई तरह के वीडियो में दर्ज हो चुकी हैं। ये सब चीजें हमारे पास अब हमेशा रहने वाली हैं।

वार्ता में फिर निराशा

किसान-सरकार के बीच सातवें दौर की वार्ता से भी समाधान नहीं निकलना निराशाजनक है। इस वार्ता से बहुत उम्मीदें जताई जा रही थीं। विज्ञान भवन में आयोजित वार्ता के बीच मंत्रियों ने भी किसानों के लंगर का आनंद लिया, लेकिन कुल मिलाकर समाधान नहीं निकला। अगली वार्ता शायद 4 जनवरी को होगी, तब तक किसानों का आंदोलन तय है। जब राष्ट्रीय राजधानी में तापमान दहाई के आंकड़े से भी नीचे चला जा रहा है, सूर्यदेव की गरमी भी फीकी लग रही है, तब किसानों का सड़कों पर बैठकर आंदोलन करना दुखद और अफसोसजनक है। हम प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसान आंदोलन का ऐसा इतिहास लिख रहे हैं, जो हमें आने वाले दशकों तक शायद अफसोस का एहसास कराता रहेगा। दस्तावेजों में यही लिखा जाएगा कि जब देश नए साल और नए दशक में जाने वाला था, तब किसान राष्ट्रीय राजधानी की सीमा पर सड़कों पर बैठे थे। बहरहाल, बुधवार की वार्ता में सरकार ने कृषि कानूनों पर विचार के लिए एक समिति बनाने का सुझाव रखा है। सरकार पराली और विद्युत संबंधी प्रावधानों व कानून में रियायत के लिए तैयार है। जबकि किसान किसी भी सूरत में तीनों कृषि कानूनों को हटाना चाहते हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के लिए अलग कानून चाहते हैं, लेकिन बुधवार की वार्ता में सरकार निजी क्षेत्र में यह आश्वासन देने के लिए तैयार नहीं दिखी। अब तो आंदोलन के दौरान काल के गाल में समाए किसानों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग भी जुड़ गई है और आंदोलन के दौरान दायर मुकदमे वापस लेने की मांग है ही। हमें ध्यान रखना चाहिए, यह देश किसानों का है और इतिहास गवाह है, जब भी किसान एकजुट हुए हैं, सरकारों को झुकने के लिए मजबूर होना पड़ा है। देश के जिन राज्यों में किसान एकजुट नहीं हैं, वहां मंडी की व्यवस्था पहले ही समाप्त हो चुकी है। अब यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य का आश्वासन देती है, तो उसे देश के तमाम राज्यों में लागू करने की जरूरत पड़ेगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य को न केवल सरकारी मंडी, बल्कि निजी मंडियों के जरिए भी कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है? निजी व्यापारियों और निजी कंपनियों पर किसानों को भरोसा नहीं है, यह हम साफ देख रहे हैं।

मैं केवट हूँ

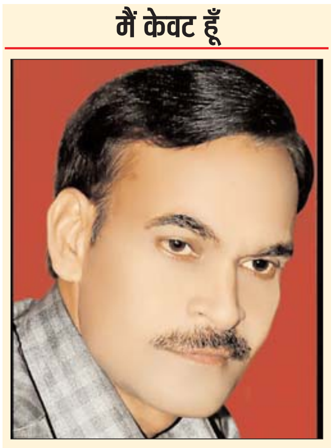

हे जगदीश्वर, हे परमेश्वर! जग के तारन हार प्रभो।
हे गुण सागर,दया सिन्धु हे! भक्तन खेवन हार प्रभो।
यह मानव तन देकर तुमने, अपना दास बनाया
मैं केवट हूँ नाथ कृपा कर, अपने गले लगाया
विनत भाव से मैं नत मस्तक, होता शत-शत बार प्रभो।
हे जगदीश्वर, हे परमेश्वर! जग के तारन हार प्रभो ।।
दो पाटों के बीच सिमटती, अपनी दुनिया सारी
एक घाट से और दूसरे, तक जागीर हमारी
पार लगाने को लोगों को, थामी है पतवार प्रभो।
हे जगदीश्वर, हे परमेश्वर! जग के तारन हार प्रभो ।।
जो भी यात्री आता उसको, खुश हो पार लगाता हूँ
काम करूँ निष्ठा से अपना, राम नाम गुण गाता हूँ
मैं लोगों को पार लगाता, तुम जग खेवन हार प्रभो।
हे जगदीश्वर, हे परमेश्वर! जग के तारन हार प्रभो।।
जल की उठती-गिरती लहरों, पर मैं नाव चलाता हूँ
उठना-गिरना जीवन की क्रम, कभी नहीं घबड़ाता हूँ
तुम ही बोलो क्यों घबराए, जिसका पालन हार प्रभो।
हे रघुवर ! रघुवंश भास्कर,विनती बारम्बार प्रभो।।
हे जगदीश्वर,हे परमेश्वर! जग के तारन हार प्रभो।।

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव कोमल
व्याख्याता-हिन्दी
अशोक उ.मा. विद्यालय, लहार
जिला - भिण्ड (म0प्र0)

अनकहे शब्द

हाँ जिस प्यार को , जिस अपनेपन को तरसती रही उम्र भर आज वो बिन माँगे मिल रहा है, बजाज साहब (पतिदेव) अपनी गोद मे सर लेके बैठे है , बच्चे भी (बेटा-बहु) सब के सब अपना काम-काज छोड़ कर मेरे पास है , सब की आँखो से झर-झर आँसु बह रहे हैं , सब मुझे ज़बरदस्ती डाक्टर के पास ले जाने की ज़िद कर रहे है , लेकिन आज मुझे कहीं नहीं जाना । क्यों जाऊँ, पता उन्हें भी है कि अब मेरा आखिरी समय है , अब डाक्टर पास जा कर कुछ नहीं होगा , लेकिन फिर भी बार-बार लेजाने को कह रहे है । आज सब चाहते हैं कि मै कुछ बोलूँ, कुछ कहूँ , जब -जब भी कुछ कहना चाहा तो मेरे होठों पर ताला जड़ दिया गया .. फिर आज क्यों बोलुँ .क्यों अपने जिगर के ज़ख़्मों को खोलूँ...क्या कोई अब इन पर मरहम लगा पाऐगा । मै आखिरी साँस ले रही हूँ ...सब मेरे पास है ......कोई कुछ कह रहा है...तो कोई कुछ, बहु कहती है ...मम्मी जी ज़ोर-ज़ोर से बोलिए, .जय श्री राम, ज़ोर से बोलिए ना मम्मी जी.... आप बोलते क्यों नही ज़ोर से, अरे आज कैसे बोलूँ मैं ज़ोर से , आज तक तो हमेशा से यही सुनती आई हूँ , क्यों इतना चिल्ला कर बोल रहे हो , धीरे बात नही कर सकते क्या ,हर वक्त शोर मचा रख्खा है घर में । तो आज कैसे मैं ज़ोर से बोलूँ , मेरी तो आवाज़ ही बँद कर दी तुमने , आज वही बहु कह रही है मम्मी जी भजन लगा देती हूँ , सुन लो। जब मै भजन चलाती थी तो .....बस इन्हें तो घर-परिवार की कोई चिन्ता तो होती नहीं , सारा दिन यही शोर-शराबा चलता है , और आज मै पल -दो-पल की महमान हूँ शायद , कितने भजन सुन लुँगी ..कितना ज़ोर से बोल लुँगी ...पता नही अगली साँस भी आए या ना आए । बेटा भी तो साथ है , उसके भी मन में ना जाने क्या-क्या चल रहा है,मम्मा कुछ बोलो ना , कुछ तो कहो .. ऐसे चुप से क्यों हो ...कोई तकलीफ़ है तो बताओ, कुछ चाहिए तो कहो ना मम्मा ,अरे शिवानी ...... मम्मा के लिए कुछ बना लाओ ना ....तुम भी ना खुद नही पता चलता कि बहुत देर से मम्मा ने कुछ नहीं लिया.... कुछ काम भी कर लो ......अच्छा ऐसे करो ....थोड़ा सा सूप बना दो मम्मा के लिए, और वही बेटा हर समय यही कहता था ,बस आपको तो अपने से मतलब है ,आप तो समय पर खा पी लो बाकी कोई खाए या ना खाए.....शिवानी बेचारी ने सुबह से कुछ नहीं खाया ....है कोई आप को उसकी चिन्ता..........सारा दिन घर में खटते रहो....फिर भी यही सुनने को मिलता था ....कि करना तो कुछ है ही नही ना आपने, .बस सिर्फ अपनी और पापा की चिन्ता रहती है आपको....और कोई खाए या भूखा रहे......आप को इससे कोई मतलब ही नहीं ।और आज मेरी इतनी चिन्ता, और पतिदेव जी..वो भी तो बेटे सँग सब काम काज छोड़ कर घर पर है आज, आशा....आशा...मेरे माथे पर प्यार से हाथ रख कर , बोलो ना आशा, कोई तकलीफ हो रहि है तो बताओ ना , ऐसे चुप मत रहो, कुछ तो बोलो, और जब मै पहले बोलती थी तो तब सुनना ही नही ...जैसे ही मैने कोइ बात शुरू करनी उठ कर कमरे से बाहर चले जाते थे ....और उस पर गर कभी कहना कि कोई तकलीफ है किसी डाक्टर के पास ले चलो तो हमेशा पहले तो हँस कर टाल देना..कि ये कोई इतनी बड़ी बात है.ठीक हो जाएगा और अगर जदा कहो तो ....हाँ देखता हूँ किस दिन समय मिलता है , ले जाऊँगा, और अगर बेटे से कहो तो.मम्मा मै अकेला क्या-क्या करू....पापा से कहो ना , अब क्या पापा इतना भी नही कर सकते....माना हमारी द्धद्ग्द्यश्च नही कर सकते , कम -से-कम आप को तो डाक्टर पास ले जा सकते है । हाँ 6 महीने ही पहले एक दिन अचानक मुझे चक्कर आया था..घर पर कोई नही था ...पति दूकान पर थे , बेटा-बहु बच्चो की छुट्टियाँ थी तो स्द्धठ्ठद्दड्डश्चशद्ग घूमने गये हुए थे , मुझे कुछ नही पता कितनी ही देर तक मै बेहोश पड़ी रही, जब होश आया तो काफी समय बीत चुका था, घर पर तो कोई था नही, सोचा दूकान पर इन्हे फोन कर के बुला लूँ, कि किसी डाक्टर के पास ले चलो , पहले भी कभी-कभी ऐसे चक्कर आ जाते थे , पर फिर खुद ही सम्भल जाती थी , कभी किसी से कहा ही नही ....और कहूँ तो किससे.....कौन है जो सुनेगा, फोन किया दूकान पर तो जैसे ही हैलो कहा, आगे से आवाज़ आई....क्या हुआ अब , कभी तो शान्त रहो काम है मुझे बाद मे बात करूँगा........चुपचाप फोन रख दिया और बेमन से खुद ही उठी और डाक्टर के पास जाने को तैयार हुई....सोचा अपने लिए खुद ही सोचना पड़ेगा.. अगर बिस्तर पर पड़ गई तो कोई नही करने वाला, इसलिए ठीक रहना है तो इलाज तो कराना होगा ... चल मना खुद ही चल डाक्टर को दिखा आऊँ । अस्पताल गई पर्ची बनवाई और सीधी अन्दर डाक्टर के पास चली गई.... बहुत अच्छे से जानपहचान जो थी , तो ज्यादा बाहर बैठ कर इन्तज़ार नही करना पड़ा ।। नमस्ते डा0 , नमस्ते आशा ... आज आप कैसे ....सब ठीक है ना, बड़े समय बाद दर्शन दिए, और हँस पड़े डाक्टर साहब ......अरे डाक्टर साहब सब ठीक है , बस आज ऐसे ही चक्कर सा आ गया.....मैने डाक्टर को सारी बात बताई , और डाक्टर मेरी पीठ पर भी कोई गाँठ सी है , पहले तो छोटी सी थी ,पर अब कुछ समय से लगातार बढ़ रही है , ज़रा वो भी देखिए । अरे..........दिखाईये ....गाँठ कैसी है , वो तो आपको दिखानी चाहिए थी , गाँठ देख कर,

कब से है गाँठ, ऐसी बातो मे लापरवाही ठीक नहीं, चलिए पहले तो आप खून टैस्ट करा ले ,और फिर रिपोर्टर आने पर मै देखता हूँ..........ओ हो डाक्टर साहब , अब इतनी सी बात के लिए क्या टैस्ट-वैस्ट बस कोई दवाई लिख दो । ये इतनी सी बात नही है , आप बहुत लापरवाही करती है , कहाँ है बजाज साहब, ज़रा उन्हे बुलाओ , उनसे बात करते हैं, ...डाक्टर साहब ..वो तो आज टूर पर गए है ,शहर से बाहर हैं , झूठ बोल दिया , इज़्ज़त जो रखनी होती , झूठ तो बोलना ही पड़ेगा ना । इतनी देर मे टैस्ट की कुछ रिपोर्ट आ गई कुछ बाकी दो-तीन दिन के बाद आनी थी , जो रिपोर्ट आईं थी उन्हे देख कर लग रहा था कि कहीं कुछ तो गड़बड़ है जो रिपोर्ट को देखकर डाक्टर की आँखे फैल गई थी , साथी डाक्टर से कुछ अंग्रेजी में बात की और मुझे थोड़ी सी दवाई लिख दी थी , बाद में तीन दिन बाद आने को कहा ,और ज़ोर देकर कहा कि मै बजाज साहब को (पतिदेव) को साथ लेकर जाऊँ । लेकिन किसी को समय ही कहाँ हैं मेरे लिए ...तीन दिन बाद भी मै खुद अकेली ही गई डाक्टर के पास....... कहिए डाक्टर साहब ....क्या आया मेरी रिपोर्ट में ।.कुछ नही कहा डाक्टर ने ,बस इतना कहा बजाज साहब नहीं आए....मैंने कहा ...आ रहे थे कोई ज़रूरी काम आ गया अचानक तो जाना पड़ा ....तो बेटे को साथ लेआते..........दरअसल बच्चे बाहर गए है घूमने ,छुट्टियाँ है ना ....क्या हुआ , आप मुझे बताऐं बीमार तो मै हूँ ऐसा क्या हो गया मुझे ...मरने वाली तो नहीं ना ...मैंने हँस के कहा..... ..जी दरअसल आप फिर कभी एक-दो दिन मे किसी को साथ ले आना फिर बात करेंगे...........अरे डाक्टर साहब किसी को साथ क्या लाना , जो भी है आप मुझे बताईये ना , कुछ भी हो आप बता दो मैं घबराने वालों मे से नही हूँ । .दरअसल ये छोटी-मोटी बात नही है, और ना ही इसे ज्यादा देर टाला जा सकता है , ...अरे आप बताओ तो सही ऐसा क्या हो गया मुझे ...मैं फिर से हँस पड़ी .... मेरे बहुत ज़ोर देने पर जब डाक्टर ने देखा कि ना तो ये किसी को साथ लाने वाली है और ना ही बिना जाने ये यहाँ से जाने वाली है.....तो कहने लगे ......दरअसल जो आप की पीठ में गाँठ है , वो कैंसर का गम्भीर रूप ले चुकी है , और आप के दोनो गुर्दे भी लगभग खत्म है , आप को जल्दी ही कही किसी भी बड़ी अस्पताल मे जाकर ईलाज कराना चाहिए, मेरे विचार से तो आप को आज ही जाना चाहिए, आप पहले ही बहुत लापरवाही कर चुके हैं । अगर अब भी आप ने लापरवाही की तो इश्वर ही मालिक है । .... अधिक से अधिक कितना समय है मेरे पास ...मैंने हँस के कहा ....ज्यादा से ज्यादा 6 महीने......अगर ईलाज सही हो जाए तो कुछ समय और मिल सकता है । जी डाक्टर मै आज ही घर मे ये बात करती हूँ और हम जल्दी कहीं बड़े अस्पताल जाते हैं । वहाँ तो मै ये कह कर घर आ गई , लेकिन रास्ते भर यही सोचती रही, क्या किसी के पास वक्त है मेरे लिए कि मेरी बात सुने या मुझे कहीं इलाज के लिए लेकर जाऐ, अरे आज 10 दिन से कह रही हूँ सब को कि मुझसे खाना नही खाया जा रहा, दाँतो मे बहुत तकलीफ हो रही है , बेटा-बहु बस बोल तो देते है कि डाक्टर को क्यो नही दिखा आते, पतिदेव तो मेरे पास समय कहाँ है , जब समय होगा चलेंगे , अगर खुद पास वाले कलिनिक पर जाने लगती हूँ तो अभी आप जारहे हो गया भी खाने का समय है , खाना कौन देखेगा , कभी बहु को कहीं जाना है तो घर पे बच्चो को कौन देखेगा, बस यही हर वक्त, फिर आप जाते क्यों नही डाक्टर के पास । सोचा चलो आज बजाज साहब को रात को बात करती हूँ , कल तो बच्चे भी आ जाऐंगे घुम कर फिर उनसे भी बात करूंगी, लेकिन मन नहीं है कि मै अपना इलाज कराऊँ, किस लिए और क्यों क्या रखा है कि अब ज़िन्दगी में ,ऊब गई हूँ इस ज़िन्दगी से । रात को खाने के बाद आकर पास बैठी हूँ बात शुरु करने लगी तो, , सोने दो यार थक गया हूँ, तुम्हे तो बोलने के सिवा कोई काम नही है , आराम करने दो मुझे । चुपचाप उठ जाती हूँ वहाँ से , अगले दिन बच्चे आ गए , दिनभर कुछ नही कहा ,फिर कहेंगे अभी घर मे कदम ही रखा है , आते ही अपनी रामकहानियाँ शुरू हो गए । रात को मौका देखा तो बच्चो से बात करने लगी , समक्ष बेटा , मुझे दो दिन पहले चक्कर आ रहे थे तो , अभी इतना ही कह पाई कि बहु बोल उठी, मम्मा आप भी ना , पापा के साथ डाक्टर पास चले जाते ना , आप देख रहे हो हम कितना थके हुए है सफर से , अब आप को कल डाक्टर के पास भी ले जाएं , कल से आफिस भी जाना है हमें ,कहाँ समय मिल पाऐगा । ठीक है बेटा दिखा दूँगी , इतना कह कर उठ गई थी वहाँ से । आज सुबह भी वही रूटीन है , बच्चे स्कूल चले गए , बजाज साहब को भी दूकान की जल्दी और बेटे-बहु को भी आफिस जाने की जल्दी है, लेकिन मेरी तबीयत ठीक नही लग रही , पर किसी का ध्यान मेरी तरफ नही है, सबको अपनी जल्दी है, साहब आवाज़ लग रहे है ,...जल्दी नाशता दो .. बेटा आवाज़ लगा रह है ..मम्मा जल्दी से नाश्ता दो, .लँच पैक हो गया क्या , जल्दी करो ना मम्मा हम दोनो लेट हो रहे है , अचानक मुझे कुछ नही पता चलता बहुत सँभलने की कोशिश की खुद को ,लेकिन नही सँभाल पाई और किचन मे ही बेहोश हो कर गिर गई । सब अपने कमरो मे है ए. सी. चल रहा है गर्मी है बाहर कोई नही आता सब कुछ कमरे मे चाहिए सबको , जब लँच बोक्स नहीं पहुँचा कमरे मे बेटे के झुँझलाता हुआ बाहर निकला मम्मा क्या है यार हम लेट हो रहे है और आपने अभी तक लँच नही पैक किया , आवाज़ लगाता हुआ बाहर आता है तो देखता है मै किचन मे बेहोश पड़ी हूँ । पापा . पापा। मम्मा बेहोश हो गई , अरे शिवानी आना ज़रा मदद करो मम्मा को अन्दर लिटाते है श यद गर्मी की वजह से बेहोश हो गई , और देखो ज़रा लँच पैक हुआ या नही , साहब जी भी उठ कर आ गए । कमरे में मुझे लेजाकर बैड पर लिटाया , पापा आप थैड़ा लेट चले जाना दूकान पर हमे देर हो रही है आफिस के लिए हम निकलते है, शिवानी अगर लँच नही बना तो रहने दो बाज़ार से कुछ ले लेंगे , चलो अब चलें । 10 बज गए अभी तक मुझे होश नही आया तो साहब को थोड़ी चिन्ता होती है , समक्ष को फोन किया . समक्ष बेटा तेरी मम्मी को अभी तक होश नही आया, कैसे करू मुझे दूकान पर भी लेट हो रहा है , क्या करें, अरे करना क्या है पापा डाक्टर अँकल को फोन कर लो ना , ठीक है अभी करता हूँ । डाक्टर को फोन किया तो डाक्टर से पता चला कि ये तो पिछले 6 महीने से बीमार है , और डाक्टर ने कही बाहर बड़े अस्पताल जा कर इलाज करवाने को कहा था ,लेकिन डाक्टर साहब हमे तो इस सिलसिले मे कुछ भी पता नहीं ।। फिर भी डाक्टर घर आते है और सब कुछ बताते है कि 6 महीने पहले ही इन्हे बता दिय गया था कि इन्हे कही बड़े अस्पताल (शहर) इलाज के लिए जाना चाहिए,डाक्टर घर आते है ।तो मेरी कँडीशन देख कर कहते है कि अब कुछ नही हो सकता , यह सुनकर पापा भोचक्के रह जातै है , फोरन समक्ष को फोन लगाते है । जैसे ही समक्ष को पता चलता है कि माँ ना जाने कितने पल, कितने घँटे या दो-चार दिन की ही महमान है ,तो फौरन घर के लिए बहु-बेटा चलते हैं । ये,. ये क्या होगया आपको , एक हकलाहट थी बेटे के लफ्जो मे , इतनी बड़ी बात ,आपने कभी बताया क्यूँ नहीं, ओफ़्हो माँ ये क्या हो गया , शिवानी भी मूक खड़ी देख रही है आँखो मे आँसु है , कुछ कहा नही जा रहा। मम्मा हमे माफ कर दो हमने आप की बिलकुल परवाह नही की आज तक, कभी आप का दुःख समझा ही नहीं। आशा ..... मेरी प्यारी , ये क्या हो गया , मै कैसे इतना निष्ठुर हो गया , मैंने भी तुम्हे तुम्हारे हाल पे छोड़ दिया, मैंने तो हर दुःख-सुख मे साथ निभने का वादा किया था, कैसे हो गया ये सब , हे इश्वर , कुछ चमत्कार कर दो मेरी आशा को ठीक कर दो , चाहे तो इसकी बीमारी मुझे दे दो , लेकिन मेरी आशा को ठीक कर दो । मेरी भी आँखो मे आँसु है, लेकिन आज ये दुःख के नही खुशी के आँसु है, जो प्यार, अपनापन, जीवन भर चाहती रही, माँगती रही, वो आज बिन माँगे मुझ पर उंडैला जा रहा है, जब कहती थी तो मुझे कोई नही समझता था, आज सब मेरी खामोशी को ज़ुबां देना चाहतै हैं ।

आज मेरे अनकहे शब्द भी समझे जा रहे है ....मेरे

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

ज़िंदगी की यही रीत है

कुछ कहावत को सार्थक करते ज़िंदगी को उसके असली रुप में स्वीकार करते ही इंसान को जीना पड़ता है, जैसे,
भूख न देखे मांस, नींद न देखे बिस्तर
इश्क न देखे ज़ात और मौत न देखे उम्र।

ज़िंदगी अपने तेवर नहीं बदलती बदलना हमको है। हर हाल में जीना जो है। कई बार हम अकुलाहट के मारे बेकाबू हो जाते है, जो मिला उसकी खुशी मनाने की बजाय जो हासिल नहीं उसे पाने की चाह में। पर जो, जितना हमें मिला है उसका एक प्रतिशत भी जिसे हासिल नहीं उसके बारे में सोचेंगे तो रोज़ ईश्वर का अहसान मानते प्रार्थना में हाथ खुद ब खुद उठ जाएंगे। खाने से शुरू करें तो कितने नखरे होते है हमारे, ये सब्ज़ी पसंद वो नहीं पसंद, आज ये क्यूँ नहीं बनाया कल वो जरूर बनाना, ये नहीं सोचते की कम से कम दो वक्त की रोटी का जुगाड़ तो है हमारे पास। दर दर हाथ फैलाते भटकना नहीं पड़ रहा, नाहि कूड़े कचरे से किसीकी जूठन उठाकर खाना पड़ रहा। भूखे गरीब इंसान को ज़िंदा रहने के लिए मांस खाते तक देखा है। पेट की आग सबसे बड़ी पीड़ा है, तो जो मिले जैसा मिले शांति से ईश का प्रसाद समझकर ग्रहण कर लेना चाहिए। दूसरी बात करते है नींद और सुकून की कहाँ सबको नर्म गद्दे और मखमली चद्दर नसीब होती है। बहुत बड़ा विरोधाभास है, सुबह से शाम कुर्सी टेबल पर बैठकर काम करने वाले इंसान को रात को सुकून सभर शामियाने के भीतर आरामदायक बिस्तर तो नसीब होता है, पर नींद से मानों जन्मों की दुश्मनी हो बिना दवाई लिए ख़्वाबगाह की दहलीज़ पर दस्तक तक नहीं देती। उससे परे पूरा दिन तनतोड़ मेहनत से थकाहारा इंसान फूटपाथ पर हल्की मैली चद्दर बिछाकर चैन की नींद सो जाता है। तो बात यहाँ सहुलियत की है संतोष की है। प्रेम, प्यार, इश्क, मोहब्बत की बात करें तो वो भी सबको सच्चा कहाँ मिलता है। कोई-कोई भरे-पूरे परिवार के बीच भी खुद को तन्हा पाता है। कोई दोस्तों में ढूँढता है, कोई रिश्तेदारों में तो कोई मोबाइल जैसे छोटे से मशीन की आभासी दुनिया में अपनापन ढूँढता है। पर सोचो जिनकी लकीरों में प्यार लिखा होता है उसे पहली नज़र की कशिश में ही मिल जाता है। प्यार कहाँ उच्च-नीच ज़ात-कज़ात देखता है। जब होता है तो रूह की शिद्दत से होता है। तकदीर की बात है खुद को कोसे मत समझिए ज़िंदगी का यही रवैया है। आखिर में मौत को ही ले लीजिए, कहाँ मांगने से मिलती है और कहाँ प्रार्थना से टलती है। अपनी मनमानी करते समय कसमय हमारी मर्ज़ी के विरुद्ध आ धमकती है। कहाँ देखती है उम्र की कसक, जिस पर दिल आता है उठाकर ले जाती है। बड़े बुज़ुर्ग बिमारियों से

लड़ते जूझते हैरान परेशान हाथ उठाकर मौत को निमंत्रण देते रहते है और मौत चुपचाप आकर घर के चिराग को उम्र के मध्यान्ह पर ही बुझाकर बेशर्मी से निकल लेती है। तो कुलमिलाकर छोटी-छोटी बातों पर असंतोष जताते शिकायत करने की बजाय इंसान को हमेशा ज़िंदगी से जो भी मिले समझौता करके हंसी खुशी अपना कर जीना चाहिए, यही तो ज़िंदगी की सच्चाई है। अपने हाथ में कुछ नहीं किसीको अचानक ज़मीन से उठकर आसमान की ऊँचाईयां छूते भी देखा है और किसीको कटी हुई पतंग की तरह आसमान से ज़मीन पर गिरते भी देखा है। तो उस गीत की पंक्तियाँ दोहराते जीते रहो। हर घड़ी बदल रही है रुप ज़िंदगी छाँव है कभी कभी है धूप ज़िंदगी हर पल यहाँ जी भर जिओ जो है शमा कल हो न हो।

(भावना ठाकर,बेंगुलूरु) सभावु

साहित्य संगम संस्थान नई दिल्ली द्वारा हुआ हिमाचल इकाई का भव्य उद्घाटन

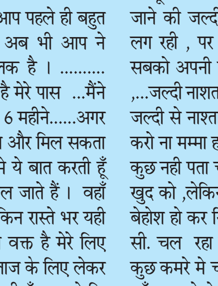

साहित्य संगम संस्थान नई दिल्ली के तत्वावधान में संस्थान की हिमाचल प्रदेश इकाई का उद्घाटन समारोह 06 जनवरी 2021 बुधवार सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक भव्य आनलाइन छंदोत्सव के रूप में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम अध्यक्ष आद. आचार्य प्रवर डॉ वागीश शर्मा मुंबई आप राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय स्तर के ख्यातिप्राप्त वक्ता, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ गंगा प्रसाद शर्मा जी, विशिष्ट अतिथि युगल दम्पती आद. हंसराज डोगरा जी व आद. सरोज कुमारी जी, संस्थान के महागुरुदेव डॉ राकेश सक्सेना जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष आ राजवीर सिंह मंत्र जी के कर कमलों से संपन्न हुआ।इसमें राजीव डोगरा को हिमाचल का अध्यक्ष,अमित डोगरा को सचिव, प्रीति शर्मा असीम को पंच परमेश्वरी,विभा शर्मा रीन को अलंकारकर्ता तथा राज शर्मा को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गए।साहित्य संगम संस्थान में अपनी चौदह्वीं प्रदेश इकाई का उद्घाटन समारोह आयोजित किया है। यह एक ऐसा भव्य छंदोत्सव कार्यक्रम रहा, जिसमें में देश के विविध प्रांतों, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, राजस्थान, हिमाचल, उड़ीसा छत्तीसगढ़, गुजरात और अन्य कई राज्यों से करीब सौ साहित्यकारों ने भाग लिया तथा राष्ट्रीय कवियों में ख्याति प्राप्त कई ऐसे जाने-माने साहित्यकारों का भी पदार्पण इलेक्ट्रॉनिक हिंदी साहित्य के इतिहास में कीर्तिमान बना गया।

राजीव डोगरा विमल
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश (युवा कवि लेखक)
(भाषा अध्यापक)
गवर्नमेंट हाई स्कूल,ठाकुरद्वारा।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने ग्राम रौरा को दी 363 लाख की सौगातें

नल - जल योजना सहित लगभग दो दर्जन विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

कहा सरकार मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिये धन की कमी नहीं आने देगी

ग्वालियर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने शुक्रवार को ग्राम रौरा पहुँचकर विकास कार्यों की बड़ी-बड़ी सौगातें दी। उन्होंने इस गाँव की बहुप्रतीक्षित नल से घर - घर पानी पहुँचाने की माँग पूरी करते हुए करीबन 126 लाख रूपए लागत की नल-जल योजना की आधारशिला रखी। श्री कुशवाह ने नल-जल योजना सहित लगभग 3 करोड़ 63 लाख रूपए लागत के 23 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिये प्रदेश सरकार धन की कमी नहीं आने देगी।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कार्यक्रम में मौजूद ग्राम रौरा सहित अन्य समीपवर्ती गाँवों के लोगों को भरोसा दिलाया कि अड़ूपुरा बिजली घर से बंधा ग्राम तक जल्द ही पक्की सड़क बनाई जायेगी। जिससे डबरा की ओर से आने वाले यात्रियों को उटीला तक पहुँचने के लिये लगभग 25 किलोमीटर की दूरी कम तय करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा भोपाल स्तर पर पहल कर रौरा ग्राम के हाईस्कूल को हायर सेकेण्ड्री स्कूल में उन्नत कराने के प्रयास करेंगे। श्री कुशवाह ने यह भी कहा

कि सरकार अधोसंरचनागत विकास के साथ-साथ युवाओं को रोजगार देने के लिये भी कटिबद्ध है। इस दिशा में ग्रामीण युवाओं के कौशल उन्नयन में बढ़ोत्तरी के लिये मुरार विकासखण्ड की सभी पंचायतों में जल्द ही कम्प्यूटर लैब स्थापित की जायेंगीं। इन कम्प्यूटर लैब के जरिए गाँव के युवाओं को निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें प्रमाण-पत्र भी दिलाए जायेंगे, जिससे युवाओं को रोजगार मिल सके। इस अवसर पर आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में उन्होंने एक-एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और विभागीय अधिकारियों को उनके आवेदनों का एक हफ्ते के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में सर्वश्री भीकम सिंह पटेल, केशव सिंह गुर्जर व श्री दीवान सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गाँवों के नागरिक एवं संबंधित अधिकारी मौजूद थे। शिविर का संचालन जनपद पंचायत मुरार के सीईओ श्री राजीव मिश्रा ने किया।

दाँतों के इलाज के लिये गाँव-गाँव में लगेंगे विशेष शिविर-राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने इस अवसर पर जानकारी दी कि मुरार विकासखण्ड के सभी गाँवों में प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर लगाए जायेंगे। इन शिविरों के माध्यम से दंत परीक्षण के साथ-साथ जरूरतमंद बुजुर्गों एवं अन्य लोगों के दांत भी सरकार के खर्चे पर लगाए जायेंगे।

विधायक डॉ. सिकरवार ने किया सी.सी. रोड निर्माण के लिये भूमिपूजन

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व से कॉग्रेस विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज नगर निगम के वार्ड क्रमांक 19 के गायत्री विहार कॉलोनी पिन्टू पार्क में सी.सी. सड़क निर्माण के लिये भूमिपूजन किया। यहा बता दे कि गायत्री विहार कॉलोनी के निवासियों द्वारा काफी लम्बे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी, लेकिन आज तक सड़क निर्माण का कार्य नही किया गया। डॉ. सिकरवार ने विधायक बनने के दो माह के अंदर ही सड़क निर्माण का कार्य षुरू करवा दिया। भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व पार्शद बलवीर सिंह तोमर, महेन्द्र भदौरिया, कल्लू तोमर, गौरव तिवारी, षिवमंगल सिंह भदौरिया, रामप्रताप भदौरिया, रोहन सिंह भदौरिया, मुन्ना परमार, लल्ला सिंह कुषवाह, रघुनाथ सिंह सेंगर आदि मौजूद रहे।

एक नजर...

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह आज विभिन्न ग्रामों में पहुँचेंगे

जन समस्या निवारण शिविरों में भी होंगे शामिल और विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण व भूमिपूजन

ग्वालियर। उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ग्वालियर जिले के चार दिवसीय प्रवास पर हैं। श्री कुशवाह 9 जनवरी को ग्राम बेरजा व बिल्हेटी में आयोजित जन समस्या निवारण शिविरों में शामिल होंगे। साथ ही विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यक्रमों में शामिल होकर ग्रामीणों को विकास की नई-नई सौगातें देंगे। उद्यानिकी राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह 9 जनवरी को प्रातः 10 बजे ठाठीपुर स्थित अपने स्थानीय कार्यालय जी-13 में आमजनों से भेंट करेंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे पंचायत भवन परिसर बेरजा में आयोजित कार्यक्रम में लगभग एक करोड़ 21 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन करने पहुँचेंगे। श्री कुशवाह इसी कड़ी में दोपहर 2 बजे खाद-बीज गोदाम परिसर बिल्हेटी में लगभग 2 करोड़ 16 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे।

बर्ड फ्लू की नौ जिलों में पुष्टि

ग्वालियर। राज्य शासन द्वारा बर्ड फ्लू की रोकथाम के हर संभव प्रयास किये जा रहे है। प्रदेश में अब-तक 9 जिलों - इंदौर, मंदसौर, आगर, नीमच, देवास, उज्जैन, खण्डवा, खरगौन और गुना में कौओं में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि हो चुकी है। अब-तक 21 जिलों से 885 कौओं और 9 बगुलों की मृत्यु की सूचना मिली है। विभिन्न जिलों से 293 सेम्पल राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा रोग अनुसंधान प्रयोगशाला हद्ब॥स्ठ भोपाल को जाँच के लिये भेजे गये हैं। इंदौर और नीमच जिले में बर्ड फ्लू से प्रभावित क्षेत्र के आस-पास कुक्कुट बाजार आदि को सतर्कता एवं सावधानी की दृष्टि से अगले सात दिनों के लिये बंद किया गया है। इंदौर के चिकन मार्केट में लगभग 200 मुर्गियों और 700 अण्डों तथा नीमच जिले के चिकिन मार्केट की दुकानों में लगभग 450 मुर्गियों का निस्तारण संक्रमण की रोकथाम के लिये किया गया है। संचालक पशुपालन ने कुक्कुट पालकों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न देते हुए अनावश्यक भ्रम या भय की स्थिति उत्पन्न न होने दें। सभी जिलों में रोग नियंत्रण की कार्यवाही भारत सरकार की एडवाइजरी के अनुसार की जा रही है। केन्द्र एवं राज्य शासन की एडवाइजरी के अनुसार पूर्ण सावधानी एवं सतर्कता बरतें।

नगरीय निकायों की मतदाता-सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी

ग्वालियर। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री दुर्ग विजय सिंह ने जानकारी दी है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों के निर्वाचन के लिये एक जनवरी, 2021 की संदर्भ तारीख के आधार पर फोटोयुक्त मतदाता-सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के लिये कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। मतदाता-सूची का अंतिम प्रकाशन 3 मार्च, 2021 को होगा। रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति 5 जनवरी तक की जायेगी। फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता-सूची का नगरीय निकायों के वार्ड एवं अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 8 फरवरी, 2021 को होगा।

ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में रेत वाहनों की चैकिंग निर्धारित चौकी पर ही होगी

ग्वालियर। ग्वालियर-चंबल संभाग में रेत वाहनों की चैकिंग अब निर्धारित चैक प्वॉइंट पर ही होगी। चैक प्वॉइंट के अतिरिक्त कहीं पर भी रेत वाहनों को रोककर चैक नहीं किया जायेगा। निर्धारित चैक पोस्ट ग्वालियर संभाग के प्रत्येक जिले में बनाए जायेंगे। इन प्वॉइंटों पर राजस्व, पुलिस, वन एवं

सभी जिलों में चौकियाँ स्थापित की जायेंगीं, संभाग आयुक्त एवं आईजी ने रेत परिवहन के संबंध में बैठक लेकर दिए निर्देश

खनिज विभाग के अधिकारियों को तैनात किया जायेगा। चैक प्वॉइंट 24-7 संचालित रहेंगे। सभी चैकिंग प्वॉइंट 15 जनवरी से प्रभावशील होंगे।

संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना, आईजी ग्वालियर श्री अविनाश शर्मा एवं आईजी चंबल श्री मनोज शर्मा की उपस्थिति में शुक्रवार को मोतीमहल के मानसभागार में रेत ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में यह तय किया गया है। बैठक में डीआईजी ग्वालियर श्री सचिन अतुलकर, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी सहित दतिया, मुरैना व भिण्ड जिले के पुलिस अधीक्षक एवं सभी जिलों के खनिज अधिकारी और ग्वालियर-चंबल संभाग में कार्यरत रेत ठेकेदार उपस्थित थे। संभागीय

आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने बैठक में कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग में वैध ठेकेदारों को रेत के परिवहन एवं विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आयेगी। संभाग के सभी जिलों में चैकिंग के लिये निर्धारित प्वॉइंट बनाए जायेंगे। इन प्वॉइंटों पर ही चैकिंग की जायेगी। रेत के वाहनों को अनावश्यक रूप से कहीं पर भी रोककर चैकिंग नहीं की जायेगी। चैकिंग प्वॉइंट पर भी रॉयल्टी एवं क्षमता की ही जाँच की जायेगी। चैकिंग प्वॉइंटों पर अनावश्यक रूप से वाहन न रूकें, यह भी सुनिश्चित किया जायेगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि जिला स्तर पर कलेक्टर अपने जिले में एक फ्लाइंग स्क्वॉयड भी बनायेंगे, जिसमें तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार स्तर के अधिकारी प्रभारी के रूप में रहेंगे। उनके साथ पुलिस और खनिज विभाग के अधिकारियों को भी तैनात किया जायेगा। यह फ्लाइंग स्क्वॉयड शिकायत मिलने पर जाँच के लिये पहुँचेगी और कार्रवाई करेगी। आईजी ग्वालियर श्री अविनाश शर्मा ने बैठक में कहा कि शासन के द्वारा निर्धारित निर्देशों का पालन भी रेत ठेकेदारों को करना जरूरी है। निर्धारित स्थल से ही रेत का खनन किया जाए। चंबल से रेत निकालना पूर्णतः प्रतिबंधित है। कोई भी ठेकेदार चंबल से रेत नहीं निकाल सकता है। इसके साथ ही सभी रेत ठेकेदार यह भी सुनिश्चित करें कि वाहन रॉयल्टी के साथ निर्धारित मात्रा में ही रेत लेकर निकलें। उन्होंने सभी जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से भी कहा कि वे चैकिंग प्वॉइंट पर लगने वाले दल को भी अपने स्तर से प्रशिक्षित करें, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि चैकिंग प्वॉइंट पर क्या करना है और क्या नहीं । बैठक में ठेकेदारों ने भी अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया। अधिकारियों ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

ठाठीपुर पुनर्घनत्वीकरण योजना का कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा

ग्वालियर। ठाठीपुर पुनर्घनत्वीकरण योजना को हाउसिंग बोर्ड शीघ्र कार्य प्रारंभ करेगा। प्रथम चरण में 798 आवासों का निर्माण होगा। इसके साथ ही स्कूल और ऑफिस परिसर भी विकसित किया जायेगा। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त श्री भरत यादव की उपस्थिति में संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना एवं कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने परियोजना के संबंध में कलेक्ट्रेट कार्यालय में बैठक ली और संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ठाठीपुर पुनर्घनत्वीकरण योजना के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त श्री भरत यादव ने बताया कि ठाठीपुर में बहुप्रतीक्षित परियोजना के तहत हाउसिंग बोर्ड द्वारा तीन चरणों में कार्य किया जाना है। प्रथम चरण में हाउसिंग बोर्ड द्वारा 798 आवासों का निर्माण करने के साथ ही स्कूल भवन एवं ऑफिस परिसर का निर्माण किया जायेगा। यह कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होगा। बैठक में बताया गया कि 30.06 हैक्टेयर क्षेत्र में यह परियोजना कार्य करेगी। प्रथम चरण में आवासों के निर्माण हेतु 235 शासकीय आवासों को खाली कराया जायेगा। आवासों में रहने वाले लोगों के लिये अन्यत्र व्यवस्था की जायेगी। हाउसिंग बोर्ड की ओर से उन्हें किराया देने का भी प्रावधान होगा। प्रथम चरण में काम करने के पश्चात द्वितीय एवं तृतीय चरण में भी कार्य किया जायेगा। संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने बैठक में कहा कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा ठाठीपुर पुनर्घनत्वीकरण योजना के तहत जो कार्य किया जाना है उसके लिये लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, उस क्षेत्र के शासकीय भवनों की पूरी रिपोर्ट तीन दिन में प्रस्तुत करें। इसके साथ ही नगर निगम एवं वन विभाग संयुक्त रूप से उस क्षेत्र में आने वाले वृक्षों का सर्वेक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने हाउसिंग

प्रथम चरण में 798 आवासों का निर्माण होगा

हाउसिंग बोर्ड आयुक्त श्री भरत यादव की उपस्थिति में परियोजना की हुई बैठक

बोर्ड के अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वृक्ष कटाई के लिये वे विधिवत आवेदन नगर निगम में प्रस्तुत करें। इसके साथ ही आवास निर्माण की अनुमति के लिये भी विधिवत आवेदन प्रस्तुत किया जाए। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि पुनर्घनत्वीकरण योजना के क्रियान्वयन से जो पेड़ हटाए जाना आवश्यक होंगे उनके स्थान पर सिरोल पहाड़ी पर वृक्षारोपण का कार्य विभाग करे। यह भी तय किया गया कि योजना के तहत स्कूल का निर्माण पहले किया जाए ताकि पुराने स्कूल भवन को हटाने से पूर्व नया भवन बनकर तैयार हो जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि ग्वालियर की यह बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु एडीएम की अध्यक्षता में उप समिति भी गठित की जायेगी। जिसमें नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, विद्युत, वन एवं अन्य विभागीय अधिकारियों को रखा जायेगा। यह समिति समय-समय पर आने वाली समस्याओं के निराकरण की पहल करेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि परियोजना क्षेत्र में आने वाले शासकीय मकानों को खाली कराने का कार्य तत्परता से किया जायेगा। आवासों में रहने वाले सभी लोगों को उचित स्थान भी उपलब्ध कराया जायेगा। हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त श्री भरत यादव ने बताया कि इस महत्वपूर्ण परियोजना को तेजी से पूर्ण करने हेतु हाउसिंग बोर्ड कटिबद्ध है। इस परियोजना के बन जाने से ठाठीपुर क्षेत्र के विकास में एक नया अध्याय जुड़ेगा। यहाँ लोगों को अच्छे आवास उपलब्ध होंगे। आवास उपलब्ध कराने के साथ-साथ व्यवसायिक गतिविधियों को भी उचित स्थान दिया जायेगा। बैठक में अपर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी, प्रभारी नगर निगम आयुक्त श्री नरोत्तम भार्गव, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ए के गौर, संयुक्त संचालक नगर एवं ग्राम निवेश श्री बी के शर्मा, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय जोशी सहित हाउसिंग बोर्ड और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

थाटीपुर पुनर्घनत्वीकरण योजना हमारे लिए ही नहीं बल्कि ग्वालियरवासियों के लिए भी एक चैलेंज है: श्री भरत यादव

ग्वालियर। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एमपीसीसीआई) में आज थाटीपुर पुनर्घनत्वीकरण योजना पर चर्चा एवं सुझाव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में म.प्र. हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त-श्री भरत यादव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में चेम्बर पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष- विजय गोयल द्वारा स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि श्री भरत यादव जी हमारे ग्वालियर के ही हैं, इसलिए ग्वालियर इनके हृदय में बसता है। इस प्रोजेक्ट के

आवासीय सह व्यवसायिक (न्यू टाउनशिप, थाटीपुर) पुनर्घनत्वीकरण योजना पर चेम्बर भवन में चर्चा आयोजित

माध्यम से आप ग्वालियर को एक नई सौगात दे सकते हैं। थाटीपुर शहर के मध्य में है इसलिए यह योजना ग्वालियर के लिए अभूतपूर्व होगी। तय समय सीमा में यह प्रोजेक्ट पूरा हो और इसमें आप मल्टी लेवल पार्किंग बनायें ताकि आप उस पार्किंग को सेलआउट कर सकें। बैठक में आये सुझावों व आपके द्वारा लाये गये प्रस्तावों को आप सर्वे के आधार जांचकर आगे बढ़ें। कार्यक्रम का संचालन कर रहे मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने सुझाव दिया कि हमारे शहर में माधव प्लाजा जैसे निर्माण कार्य भी हुए हैं। इसलिए आप इस योजना की प्लानिंग एक साथ करें। बैंकिंग फायनेंस की सुविधा के साथ प्लान बनायें। इसमें प्रायवेट हॉस्पीटल का प्रावधान रखा जाये। वर्तमान में यहां स्थापित शासकीय संस्थानों को साडा क्षेत्र में शिफ्ट करें, जिससे वहां भी विकास हो सके। इसमें छोटी एवं बड़े साइज की दुकानों के ब्लॉक अलग बनाये जायें।

थाटीपुर पुनर्घनत्वीकरण योजना पर इंदौर से पधारे आर्किटेक्चर श्री जितेन्द्र मेहता द्वारा विस्तृत पॉवर पॉइन्ट प्रजेंटेशन दिया। मुख्य अतिथि एम.पी. हाउसिंग बोर्ड के आयुक्त-श्री भरत यादव ने कहा कि यह

प्रोजेक्ट बहुत महत्वपूर्ण है, 15 साल से इसकी प्लानिंग चल रही है। यह प्रोजेक्ट ग्वालियर को बिजनिस हब बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। इंदौर व भोपाल में भी ऐसी प्राइम लोकेशन व 30 हैक्टेयर भूमि उपलब्ध नहीं है। ग्वालियर में विकास की बहुत संभावनायें हैं यह प्रोजेक्ट हमारे लिए ही नहीं बल्कि ग्वालियरवासियों के लिए भी एक चैलेंज है। आपने कहा कि अभी इस भूमि पर कई अपात्र लोग भी निवास कर रहे हैं। हम जांच कर रहे हैं और अपात्रों को दिये गये स्थान निरस्त कर दिये जायेंगे तथा पात्र पाये गये अधिकारियों/कर्मचारियों को इस प्रोजेक्ट के पूरा होने तक उनके पद व वेतनमान अनुसार किराया देंगे। यहां जो पेड़ लगे हैं, उन्हें आवश्यकतानुसार स्थानांतरित करेंगे। हमारा प्रयास होगा कि यहां की ग्रीनरी को कम से कम नुकसान पहुंचे। हम इसका सर्वे करा रहे हैं। यहां स्थित कार्यालयों को भी साडा में शिफ्ट करने पर विचार करेंगे। हम इस पूरी 30 हैक्टेयर भूमि का एक मास्टर प्लान बना रहे हैं। यहां के लिए पानी व सीवेज के लिए आगामी 30-40 वर्ष की प्लानिंग लेकर चल रहे हैं। हमें इस कार्य में चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सहयोग की जरूरत है, आपके सहयोग से ही यह कार्य हो पायेगा। आज की चर्चा मात्र वर्कशॉप बनकर नहीं रहेगी। आगामी 3 माह में इस पर कार्य शुरू करेंगे। आपने कहा कि इस योजना में 4500 मीटर के दो प्लॉट हैं, उनके लिए हम शीघ्र ही बिड निकालेंगे ताकि इससे प्राप्त धन से हम कार्य शुरू कर सकें।

कार्यकारिणी सदस्य-महेश मुदगल ने सुझाव दिया कि इसे शीघ्र चालू करायें। पूरी प्लानिंग का नक्शा एक बार बने। इसके प्रारंभ होने व पूर्ण होने की अवधि सुनिश्चित करें और इसे उस अवधि में पूर्ण भी करें। इस योजना में जो मंदिर हैं, उन्हें न तोड़ें बल्कि उन्हें और सुंदर बनायें। पूर्व मानसेवी संयुक्त सचिव-जगदीश मित्तल ने कहा कि इस योजना में मिलने वाली दुकान/प्लॉट की दरें एक बार तय होने पर प्रोजेक्ट में देरी होने पर न बदली जायें। दुकानों 200-300 वर्गफुट की हों पर इस योजना में गोडाउन भी बनाये जायें। चर्चा में कार्यकारिणी सदस्य-श्री उमेश उप्पल ने कहा कि इस टाउनशिप योजना को टुकड़ों में नहीं बल्कि समग्र योजना बनायें। फिर चाहे इसे आप डेवलप करें या अन्य कोई पर उसका डिजायन, फ्रंट व कलर आपके अनुसार ही रहें, ताकि एकरूपता रहे। इसमें टूरिज्म का भी ध्यान रखा जाये। गौरव जैन ने सुझाव दिया कि पुणे स्थित मगरपट्टा की तर्ज पर इसे डेवलप किया जाये। कंस्ट्रक्शन एक एजेंसी के द्वारा हो। इसका डेवलपर मल्टीसिटी का अनुभव रखता हो। इसमें आप चाहें तो मॉल के लिए भी स्थान दे सकते हैं, जिससे आपको शीघ्र ही राजस्व प्राप्त हो सकेगा। मनोज राजपाल ने सुझाव दिया कि भविष्य में मेट्रो की संभावना को देखते हुए इसमें मेट्रो स्टेशन के लिए भी प्रावधान रखा जाये। बैठक में सदस्यों ने प्लॉट साइज शहरवासियों से फीडबैक लेकर तय करने, इसमें पेट्रोल पंप, कन्वेंशन सेंटर के लिए भी स्थान आरक्षित करने का सुझाव दिया। सीताराम धाकड़ द्वारा गोडाउन नहीं बनाये जाने का सुझाव दिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि पूर्व मानसेवी संयुक्त सचिव-जगदीश मित्तल, कार्यकारिणी सदस्य-महेश मुदगल एवं उमेश उप्पल द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मानसेवी सचिव- डॉ. प्रवीण अग्रवाल द्वारा व्यक्त किया गया।